खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 29 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-238

भागवत 'कथा' आज

न्यूयॉर्क कार्यक्रम पर अखिलेश ने भी उठाये सवाल

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित ग्लोबल आउटरीच प्रोग्राम के तहत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन में उनका बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है।

हालांकि, भागवत के संबोधन से पहले ही अमेरिका से लेकर भारत तक राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। वैश्विक सौहार्द और सार्वभौमिक एकता का उत्सव थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 5,000 लोगों के हिस्सा लेने की बात कही जा रही है। ऐसे में अमेरिका से लेकर भारत की सियासत तक यह सवाल उठ रहा है कि आखिर भागवत अपने संबोधन में क्या-क्या कहने वाले हैं।

जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी समेत कई हस्तियों ने इस आयोजन का समर्थन किया है। वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भागवत के न्यूयॉर्क दौरे को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

एक्स खाता निलंबित होने पर अखिलेश का तंज

दरअसल, भागवत के कार्यक्रम के आयोजक ङ्कअहेड फोरमफ का ङ्कएक्सफ खाता कुछ समय के लिए निलंबित हो गया था। इस पर अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा, विदेशों में जब अनरजिस्ट्रर्ड-अंडरग्राउंड लोग उभरकर आएंगे तो उनके एक्स अकाउंट तो सस्पेंड किए

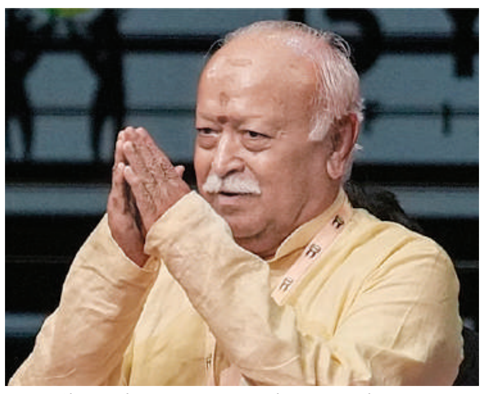

ही जाएंगे। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने आरएसएस से 21 सवाल पूछ डाले। उन्होंने सवाल उठाया कि स्वदेशी का नारा देने वाले संगठन के प्रमुख आखिर विदेशों में क्या करने गए हैं? क्या वे वहां भी सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने गए हैं या भविष्य में राजनीतिक प्रश्रय तलाशने की कोशिश कर रहे हैं?

हालांकि, जल्द ही अहेड फोरम का खाता बहाल हो गया। संस्था ने बताया कि विरोधियों के बॉट हमले के कारण अल्गोरिदम प्रभावित हुआ था, जिससे उसका खाता अस्थायी रूप से अवरुद्ध हो गया था।

वहीं, कर्नाटक में आरएसएस के मार्च में शामिल होने पर दो सरकारी शिक्षकोंअन्ना साहेब देशमुख और गुरुराज जोशी को निलंबित कर दिया गया है। राज्य के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि किसी गैर-पंजीकृत संगठन के कार्यक्रम में सरकारी कर्मचारियों का शामिल होना नियमों के खिलाफ है।

वहीं, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सी. नारायणस्वामी ने सरकार पर बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ये सरकार आरएसएस से बदला ले रही है। वो कोई राजनीतिक पार्टी नहीं हैं। इस देश के सभी देशभक्त, कोई भी किसी भी देशभक्त संगठन से जुड़ सकता है।

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने भी किया विरोध

भागवत के इस कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भी विरोध किया है। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया कि वह मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले इस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते हैं।

हालांकि, विरोध प्रदर्शनों और कार्यक्रम को रद्द करने से जुड़े सवालों पर मेयर ने कहा कि यह एक निजी आयोजन है। इसलिए इसे रद्द करने का अधिकार या क्षेत्राधिकार शायद शहर के प्रशासन के पास नहीं है।

29 अगस्त को होने वाले इस कार्यक्रम पर अब भारत और अमेरिका, दोनों जगहों की नजरें टिकी हुई हैं। भागवत के संबोधन में संघ के वैश्विक दृष्टिकोण और उसके आगामी कार्यक्रमों को लेकर क्या संदेश दिया जाता है, इस पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

लश्कर आतंकियों ने फिर बनाया निशाना

पंडितों को 'खूनी' धमकी

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा एक बार फिर खतरे में नजर आ रही है। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तय्यबा से जुड़े संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (यूएलसी) ने कश्मीरी पंडितों को फिर से जान से मारने की धमकी दी है।

सोशल मीडिया पर सामने आए यूएलसी के नए धमकी भरे पत्र में कश्मीरी पंडितों को गद्दार और देशद्रोही करार दिया गया है। यह इस महीने कश्मीरी पंडितों के खिलाफ जारी की गई चौथी धमकी भरी चिट्ठी है। इससे पहले कश्मीरी पंडितों की एक हिट लिस्ट भी जारी की गई थी।

आतंकी संगठन ने पत्र में लिखा, अगर एसआईए या कोई और एजेंसी विस्थापित पंडितों से जुड़े बंद पड़े मामलों को फिर से खोलने में इतनी उत्सुकता दिखा रही है, तो उन्हें बीजबेहारा, गावकादल, सोपोर और हंडवाड़ा जैसी घटनाओं की भी जांच करनी चाहिए।

पत्र में आतंकी गुट ने जांच और कार्रवाई में शामिल लोगों को भी निशाना बनाने की धमकी दी है।

आतंकी गुट ने चेतावनी देते हुए कहा, हम इन गतिविधियों में शामिल किसी भी शख्स को नहीं छोड़ेंगे, चाहे उनके पास कितनी भी सुरक्षा क्यों न हो। अगर यह लगता है कि सुरक्षा बढ़ाने से वे सुरक्षित रहेंगे, तो वे सिर्फ दिन में सपने देख रहे हैं।

पत्र के अंत में धमकी भरे अंदाज में लिखा गया है, अगर तुम खूनी खेल खेलना चाहते हो, तो यही सही।

लगातार सामने आ रही धमकी भरी चिट्ठियों के बाद कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। सुरक्षा एजेंसियां सोशल मीडिया पर सामने आए पत्र की जांच कर रही हैं और इसके स्रोत तथा इसके पीछे सक्रिय लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

फ्लैश फ्लड : ग्लेशियर कारण!

नेपाल-चीन विशेषज्ञों का निचोड़

काठमांडू, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल और चीन की सीमा पर आई भीषण फ्लैश फ्लड को लेकर चीन ने बड़ा बयान दिया है। चीन के मुताबिक, नेपाल के ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने से यह विनाशकारी बाढ़ आई हो सकती है। इस बाढ़ में अब तक 547 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ ने सड़क, पुल, घर और बिजली परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने शुक्रवार को कहा कि चीन और नेपाल के विशेषज्ञों ने आपदा के कारणों का शुरुआती आकलन किया है। उनके मुताबिक, शुरुआती जांच में ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने को बाढ़ की वजह माना जा रहा है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, ग्लेशियर टूटने के बाद बर्फ और चट्टानों का बड़ा हिस्सा ल्हेंदे नदी में गिरा होगा। इससे कुछ समय के लिए नदी का रास्ता बंद हो गया। मलबे से नदी में एक तरह की प्राकृतिक दीवार बन गई। जब यह दीवार टूटी तो पानी बहुत तेजी से नीचे की ओर बहा।

तेज पानी भोटेकोशी और त्रिशूली नदी की ओर पहुंचा। इसके बाद कई इलाकों में तबाही मच गई। बुधवार को रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में पानी का तेज बहाव आया था। इसकी चपेट में कई पुल और दूसरी बुनियादी सुविधाएं आ गईं।

शुरुआत में इस आपदा की वजह ग्लेशियल झील के फटने या हिमस्खलन को माना जा रहा था। लेकिन सैटेलाइट तस्वीरों की जांच के बाद वैज्ञानिकों का अनुमान बदल गया है। अब बर्फ और चट्टानों के बड़े हिस्से के नदी में गिरने को मुख्य वजह माना जा रहा है।

चीन ने बताया कि तिब्बत में बाढ़ से पांच लोगों की मौत हुई है। वहीं 558 लोग अब भी लापता हैं। इनमें 260 विदेशी नागरिक शामिल हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशी नागरिकों से जुड़ी जानकारी की पुष्टि की जा रही है।

प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि संबंधित देशों के दूतावासों को जानकारी दी गई है। चीन उनके साथ लगातार संपर्क बनाए रखेगा। चीन के अधिकारियों के मुताबिक, तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी से 1,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इनमें करीब 555 पर्यटक शामिल हैं। अब इस इलाके में कोई पर्यटक फंसा नहीं है।

नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही के बाद भोटेकोशी नदी के आसपास पानी का स्तर फिर बढ़ा है। इसे देखते हुए अधिकारियों ने नई चेतावनी जारी की है। लोगों को नदी के आसपास जाने से बचने को कहा गया है। बाढ़ के कारण नेपाल में कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है। सड़कें और पुल टूट गए हैं।

▶8 पर

400 कंटेनर ट्रक लापता

नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बाढ़ के तेज बहाव में 400 से ज्यादा मालवाहक कंटेनर ट्रक बह गए हैं। इन ट्रकों से जुड़े चालक, सहचालक, मजदूर और व्यापारी समेत 1,000 से अधिक लोग अब तक संपर्क में नहीं हैं। कारोबारी संगठनों के मुताबिक, नुकसान का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

बाढ़ की चपेट में रसुवागढ़ी-केरुंग नाका और त्रिशूली गलियारा क्षेत्र भी आया है। इन इलाकों में बड़ी संख्या में कंटेनर ट्रक सामान लेने पहुंचे थे। इनमें से कई ट्रक तीज, दशैं और तिहार के लिए जरूरी सामान लेने गए थे। अचानक आई बाढ़ ने इन वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया।नेपाल ट्रक कंटेनर व्यवसायी संघ के मुताबिक, संघ में कुल 966 कंटेनर ट्रक पंजीकृत हैं। बाढ़ आने से पहले करीब 175 ट्रक सामान लेने के लिए केरुंग की ओर गए थे। ▶8 पर

सिर्फ भारत पर भरोसा : विदेशी मदद लेने से साफ इनकार

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। तीन दिन में दो बार आई आपदा से देश का पूरा तंत्र अस्त-व्यस्त हो गया है। इस आपदा में अब तक करीब 500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1,000 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ के बाद लगातार राहत और बचाव अभियान जारी है, लेकिन नेपाल सरकार ने चीन और अमेरिका समेत कई देशों से प्रत्यक्ष राहत एवं बचाव सहायता लेने से साफ इनकार कर दिया है। नेपाल सरकार का कहना

है कि उसकी अपनी सुरक्षा एजेंसियां राहत और बचाव कार्य चलाने में पूरी तरह सक्षम हैं। बता दें कि चीन और अमेरिका समेत कई देशों ने नेपाल को हेलीकॉप्टर और प्रशिक्षित खोज एवं बचाव दल उपलब्ध कराने की पेशकश की थी, लेकिन नेपाल ने इस मदद को स्वीकार नहीं किया। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह वर्ष 2015 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान मिले अनुभव को बताया जा रहा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वर्ष 2015 में आए भूकंप के बाद दुनिया भर से अंतरराष्ट्रीय दल, सैन्य विमान और राहत संगठन नेपाल पहुंचे थे। इनके कारण काठमांडू हवाई अड्डे और प्रशासनिक तंत्र पर भारी दबाव बढ़ गया था। ▶8 पर

कर्नाटक मंत्री का इस्तीफा

घोटाले के लिए बैंकों की भूमिका पर संदेह जताया

बेंगलुरु, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में घिरे कांग्रेस नेता बी. नागेंद्र ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। घोटाले के आरोपों और विपक्षी भाजपा के लगातार जुबानी हमलों के बीच उन्होंने कहा कि वह अपना त्यागपत्र सौंप रहे हैं। इस्तीफे की घोषणा के दौरान बी. नागेंद्र ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया। वह भावुक होकर रो पड़े और कहा, क्या वाल्मीकि निगम के किसी लेनदेन में कहीं भी मेरे दस्तखत हैं? मुझे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं दलित वर्ग से आता हूं।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ रोजाना 1,000 झूठ फैलाए जा रहे हैं। नागेंद्र ने बैंकों की भूमिका पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा, इस पूरे मामले में बैंक शामिल थे। अगर बैंकों की संलिप्तता है, तो क्या इसके लिए केंद्रीय वित्त मंत्री जिम्मेदार नहीं हैं? कर्नाटक की जनता सब देख रही है।

दरअसल, मई 2024 में निगम के लेखा अधीक्षक पी. चंद्रशेखरन की आत्महत्या के बाद 89.63 करोड़ रुपये के अनधिकृत लेनदेन का मामला सामने आया था। उस समय जनजातीय कल्याण मंत्री रहे बी. नागेंद्र ने जून 2024 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। ▶8 पर

पहले बेटा, फिर माँ-बाप

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत

दमोह, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मध्य प्रदेश के दमोह जिले से बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर के बाद उसके माता-पिता भी रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आ गए। रक्षाबंधन के दिन एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई और सन्नाटा पसरा है। दरअसल, रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए परिवार का छोटा भाई अपनी बहन को लेने दूसरे जिले गया हुआ था। इसी दौरान घर पर यह भयानक घटना घटित हो गई। बताया जा रहा है कि करैया गांव के पास मुकेश अहिरवार नामक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। ▶8 पर

नेपाल : भोटेकोशी नदी के ऊपर तिब्बत के ल्हेन्डे पर बनी दूसरी झील ओवरफ्लो

काठमांडू

जलप्रलय से त्राहिमाम नेपाल के माथे पर आपदा की नई आहट ने चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं। रसुवागढ़ी में भोटेकोशी नदी के ऊपर ल्हेन्डे नदी पर एक और विशाल झील के बन जाने से संकट बढ़ गया है। यह झील ठीक उस जगह के ऊपर की तरफ बनी जहां अचानक बाढ़ आई। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने निर्मित झील का फुटेज दिखाया। चीन ने इससे पहले चेताया कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हाल ही में हुए भूस्खलन के बाद बनी इस झील के किनारे कभी भी टूट सकते हैं। इससे नीचे फिर बाढ़ आ सकती है।

नेपाल के अंग्रेजी अखबार द हिमालयन और चीन की शिन्हुआ की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इनकी रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन के सरकारी ब्राडकास्टर ने बताया कि इस झील में लगभग 25 लाख (2.5 मिलियन) क्यूबिक मीटर पानी जमा हो गया।

एक क्यूबिक मीटर (घन मीटर) 1,000 लीटर पानी के बराबर होता है। एक स्टैंडर्ड ओलंपिक स्विमिंग पूल में लगभग 25 लाख लीटर (2.5 मिलियन लीटर) पानी आता है। इस हिसाब से 25 लाख क्यूबिक मीटर पानी से 1,000 ओलंपिक स्विमिंग पूल पूरी तरह भरे जा सकते हैं।

ल्हेन्डे नदी का प्रवाह भारी मलबे के कारण रुक गया है। वीकएंड के बीच झील में 30 लाख (3 मिलियन) क्यूबिक मीटर पानी और आने की उम्मीद है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, यह झील ओवरफ्लो हो चुकी है। इलाके में भारी बारिश हो रही है।

यह झील कभी भी टूट सकती है। ल्हेन्डे नदी (ल्हेन्डे खोला या ल्हेन्डे धारा) का उद्गम तिब्बत (चीन) के पर्वतीय क्षेत्र में है।

यह नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवागढ़ी में आकर भोटेकोशी नदी में मिल जाती है। यह भोटेकोशी की सहायक नदी है। ल्हेन्डे और भोटेकोशी नदी का यह क्षेत्र भारत, नेपाल और चीन के बीच सदियों पुराने हिमालयी व्यापारिक गलियारा (केरुंग-रसुवागढ़ी नाका) का मुख्य हिस्सा है।

ल्हेन्डे के पानी के सैलाब से भोटेकोशी में आई अचानक बाढ़ से हुए विनाश की पीड़ा की लकीरें नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग सहित कई जिलों के लोगों के चेहरों पर पढ़ी जा सकती हैं।

वैज्ञानिक इसकी वजह चीन-नेपाल सीमा पर स्थित ग्लेशियर जोन से बर्फ और चट्टानों के विराट हिस्से का टूटकर सीधे ल्हेन्डे खोला में गिरना बता रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, इससे खोला का प्रवाह खिसका और वहां अस्थायी प्राकृतिक झील बन गई। इस झील में धीरे-धीरे पानी जमा होता रहा।

26 अगस्त को भूगर्भीय हलचल से हिमनद का बड़ा हिस्सा टूटकर इसमें गिरा और वह टूट गई। कीचड़, पत्थरों और मलबे के साथ भयंकर जलप्रलय निचले इलाकों की तरफ बढ़ा। इससे भोटेकोशी का वेग विकराल हो गया। यह रसुवागढ़ी सीमा पोस्ट, सड़कों, जलविद्युत परियोजनाओं और तमाम गांवों को लीलता हुआ आगे बढ़ गया। नेपाल और चीन के अधिकारी ल्हेन्डे नदी मार्ग के ऊपरी हिस्सों पर सैटेलाइट के जरिए लगातार नजर रख रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान पहुंचा ब्रिटेन, भारत के खिलाफ गुहार, इशाक डार ने ब्रिटिश विदेश मंत्री एड मिलिबैंड से की मुलाकात

लंदन। सिंधु जल संधि के मुद्दे पर पाकिस्तान ने अब ब्रिटेन का रुख किया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने ब्रिटिश विदेश मंत्री एड मिलिबैंड के साथ द्विपक्षीय बैठक में भारत द्वारा संधि को स्थगित किए जाने का मुद्दा उठाया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में सिंधु जल संधि और क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति से जुड़े हालिया घटनाक्रम प्रमुख मुद्दे रहे। पाक के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने भारत पर अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए संधि के तहत की गई प्रतिबद्धताओं को बनाए रखने की अपील की। पाकिस्तान लंबे समय से इस मुद्दे को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। दरअसल अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ 60 साल पुरानी सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ा है। पाकिस्तान ने सिंधु नदी प्रणाली को अपने लिए जीवनरेखा बताते हुए कई बार संधि बहाल करने की मांग की है। पाकिस्तान की ओर से भारत पर सिंधु नदी के पानी के बहाव में हस्तक्षेप करने के आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। वहीं, भारत का रुख है कि सिंधु नदी जल प्रणाली में उसके अधिकार और हित सुरक्षित हैं तथा वह अपनी जरूरतों के अनुरूप जल संसाधनों का इस्तेमाल करने का अधिकार रखता है। इशाक डार और एड मिलिबैंड के बीच बातचीत केवल सिंधु जल संधि तक सीमित नहीं रही। दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व की बदलती परिस्थितियों समेत प्रमुख क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

अमेरिका भागवत के कार्यक्रम के आयोजकों का एक्स अकाउंट बहाल, फोरम ने कहा थैंक्स

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क सिटी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यकर्म से पहले आयोजक अमेरिकन हिंदुज फार इंगेजमेंट एंड डायलाग फोरम के आधिकारिक एक्स अकाउंट को फिर से बहाल कर दिया गया है, जिसे कुछ वक्त के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। एक्स पर अपने आधिकारिक अकाउंट के फिर से बहाल होने के बाद आयोजक फोरम ने एक पोस्ट शेयर कहा कि अब वे वापस आ गए हैं। फोरम ने अपने आधिकारिक अकाउंट को जल्द बहाल करने के लिए एक्स सपोर्ट का भी आभार जताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फोरम ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- हम वापस आ गए हैं! कुछ भटके हुए विरोधियों ने एक्स के एल्गोरिदम से छेड़छाड़ करने और हमारा अकाउंट ब्लाक कराने की कोशिश की। वहीं, हमारे अकाउंट को तुरंत फिर से बहाल करने और बाट्स को हटाने के लिए एक्स सपोर्ट का बहुत-बहुत धन्यवाद। फोरम ने आगे लिखा- अब वापस उस काम में लगें, जो असलियत में काफी ज्यादा मायने रखता है। फोरम ने अकाउंट के सस्पेंशन को एक तकनीकी खराबी करार दिया। वहीं, दूसरी तरफ यह घटना अमेरिका के न्यूयार्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी के उस बयान के दो दिन बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह आरएसएस या इस कार्यक्रम का किसी भी तरह से समर्थन नहीं करते हैं।

बाढ़ से हुआ नुकसान कई अरब डालर का हो सकता है : नेपाल के वित्तमंत्री

काठमांडू। नेपाल में विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने कहा कि देश को इस आपदा से कई अरब डालर का नुकसान होने की आशंका है। वित्त मंत्री वागले ने ब्लूमबर्ग टेलीविजन से बातचीत में कहा कि अगले एक-दो सप्ताह में जब नुकसान का विस्तृत आकलन होगा, तब इसकी कुल लागत कम-से-कम कुछ अरब डालर तक पहुंचने की आशंका है। उन्होंने शुरुआती नुकसान के अनुमान को काफी चिंताजनक बताया। वहीं, नेपाल सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों में तत्काल राहत पहुंचाने के लिए रसुवा और नुवाकोट को एक-एक करोड़ रुपये, जबकि धाडिंग को 50 लाख रुपये जारी किए हैं। प्रभावित लोगों तक भोजन, पानी, टेंट, कंबल, सोलर लैंप, जनरेटर और पावर बैंक जैसी जरूरी सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसके अलावा प्रभावित इलाकों में ईंधन की आपूर्ति भी जारी है। गौरतलब है कि, 10 सितंबर को नेपाल-चीन सीमा के पास बर्फ और चट्टानों का बड़ा हिस्सा ढहने के बाद यह आपदा आई।

रूस नाटो के किसी सदस्य देश पर हमला नहीं करेगा, पुतिन से हुई अच्छी बातचीत : ट्रंप

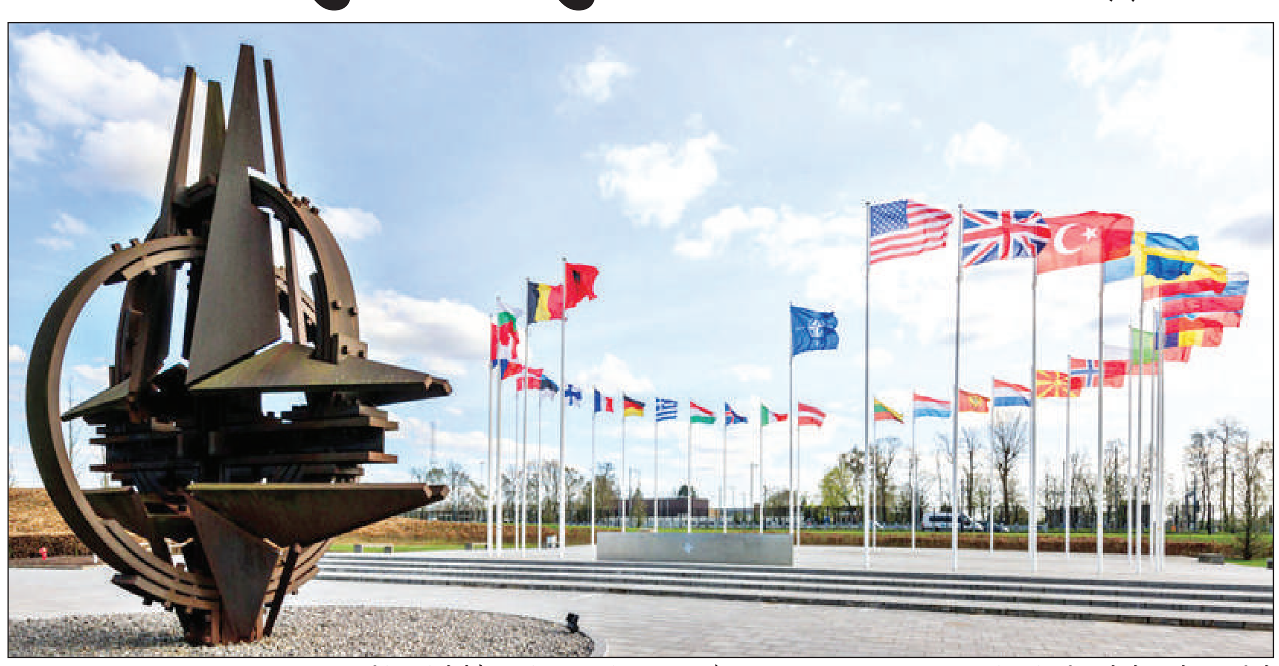

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस नाटो के किसी सदस्य देश पर हमला नहीं करेगा। उनका यह बयान सीआईए निदेशक जान रैटक्लिफ की मास्को यात्रा के बाद आया है। रिपोर्टों के मुताबिक रैटक्लिफ ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नाटो के किसी देश पर हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी थी। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने रैटक्लिफ को पुतिन तक कोई विशेष चेतावनी पहुंचाने का निर्देश दिया था या नहीं। ट्रंप ने ओवल आफिस में पुतिन को लेकर कहा था कि मैंने उनसे अच्छी बातचीत की है। वह नाटो के किसी देश पर हमला नहीं करने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने रैटक्लिफ को रूस यात्रा के दौरान पुतिन को नाटो पर हमला न करने की चेतावनी देने के लिए कहा था, तो उन्होंने इसका सीधा जवाब नहीं दिया। ट्रंप ने कहा कि मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन वे हमला नहीं करने वाले हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब रैटक्लिफ की मास्को यात्रा को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। रैटक्लिफ की रूस यात्रा के दौरान द वाल स्ट्रीट जर्नल ने लीक हुई अमेरिकी खुफिया जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की। इसमें संकेत दिया गया था कि रूस नाटो देशों की प्रतिक्रिया और एकजुटता को परखने की योजना बना सकता है।

अमेरिका खुद नाटो का सदस्य है। नाटो के सामूहिक रक्षा प्रावधान के तहत यदि गठबंधन के किसी सदस्य देश पर हमला होता है और यह प्रावधान लागू किया जाता है, तो अमेरिका समेत अन्य सदस्य देश उसकी रक्षा के लिए मदद करने के लिए बाध्य होंगे। इससे एक दिन पहले 26 अगस्त को ट्रंप ने रैटक्लिफ की रूस की अचानक हुई यात्रा को सेमी-रूटीन बताया था। उन्होंने इस यात्रा को लेकर चल रही उन अटकलों को कमतर बताया था, जिनमें कहा जा रहा था कि सीआईए प्रमुख किसी बेहद जरूरी मुद्दे के कारण मास्को गए हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें हैं कि पुतिन किसी नाटो देश को धमकी दे सकते हैं या रैटक्लिफ मास्को को यह संदेश देने गए हैं कि ईरान पर प्रतिबंधों के मामले में अमेरिका गंभीर है। ट्रंप ने इन दोनों संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि इनमें से कोई भी वजह नहीं है। उन्होंने रैटक्लिफ की यात्रा को कुछ हद तक नियमित बताते हुए कहा कि मैं लोगों को निराश करना पसंद नहीं करता। ट्रंप ने नाटो पर संभावित रूसी हमले के बजाय यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की अपनी कोशिशों पर ज्यादा जोर दिया। ट्रंप ने कहा कि वह पिछले साल दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ट्रंप के छोटे बेटे बैरन की हत्या की साजिश की योजना की खबर नेतन्याहू ने गढ़ी

ईरान ने खबरों को किया खारिज, कहा- नेतन्याहू को नर्क में भेज देंगे

तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अब इसकी आंच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार तक पहुंचने के दावे सामने आने लगे हैं। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई ने ट्रंप के छोटे बेटे बैरन ट्रंप की हत्या की कथित साजिश को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

इसी बयान में उन्होंने अमेरिका और इजराइल के खिलाफ बेहद तीखे तेवर भी दिखाए। एक इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि बैरन को निशाना बनाने की कथित योजना की खबर इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गढ़ी है। उनका आरोप था कि नेतन्याहू ने इस तरह की खबरों के जरिए ट्रंप को डराने की कोशिश की है।

मामला तब गंभीर हो गया जब ईरानी सरकारी टीवी से जुड़े एक वीडियो में दावा किया कि 20 साल के बैरन ट्रंप पर नजर रखी जा रही है और उनकी हत्या के लिए 10 मिलियन डालर यानी करीब 1 करोड़ डालर का इनाम रखा गया है। हालांकि इस वीडियो में किए गए दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने कहा है कि उन्हें वीडियो मिला है और अपने सुरक्षा घेरे में आने वाले लोगों के खिलाफ किसी भी संभावित धमकी की जांच करती है। सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने कहा कि आपरेशनल सुरक्षा के कारण वह किसी खास सुरक्षा जानकारी पर चर्चा नहीं कर सकते।

ईरानी सुरक्षा प्रमुख ने कथित साजिश को झूठ बताते हुए कहा कि अगर ईरान ने किसी की हत्या करने का फैसला किया होता तो उसे रोकना आसान नहीं होता यानी रेजाई एक तरफ बैरन ट्रंप को लेकर सामने आए दावे को मनगढ़ंत बताया, वहीं दूसरी तरफ उनका बयान अमेरिका के लिए बेहद आक्रामक मैसेजिंग के तौर पर देखा जा सकता है। रेजाई यहीं नहीं रुके। उन्होंने जुलाई में तुर्की में हुए नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप के विमान बदलने की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू ने ट्रंप को बताया था कि ईरान उनकी हत्या की योजना बना रहा है। इसके बाद ट्रंप बड़े विमान से उतरकर एक छोटे सैन्य विमान तक पहुंचे। रेजाई ने इस घटनाक्रम को तंज के अंदाज में पेश करते हुए दावा किया कि ट्रंप को खतरे के डर से फूड ट्रक में मजदूरों की तरह छिपाकर ले जाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक रेजाई ने नेतन्याहू को लेकर भी बेहद आक्रामक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर संघर्ष दोबारा बढ़ा तो टकराव पहले से अलग चरण में पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान नेतन्याहू को नर्क में भेज देगा। रेजाई ने दावा किया कि नेतन्याहू के कदमों ने इजराइल के अस्तित्व के अंत को करीब ला दिया है।

विरोध प्रदर्शन

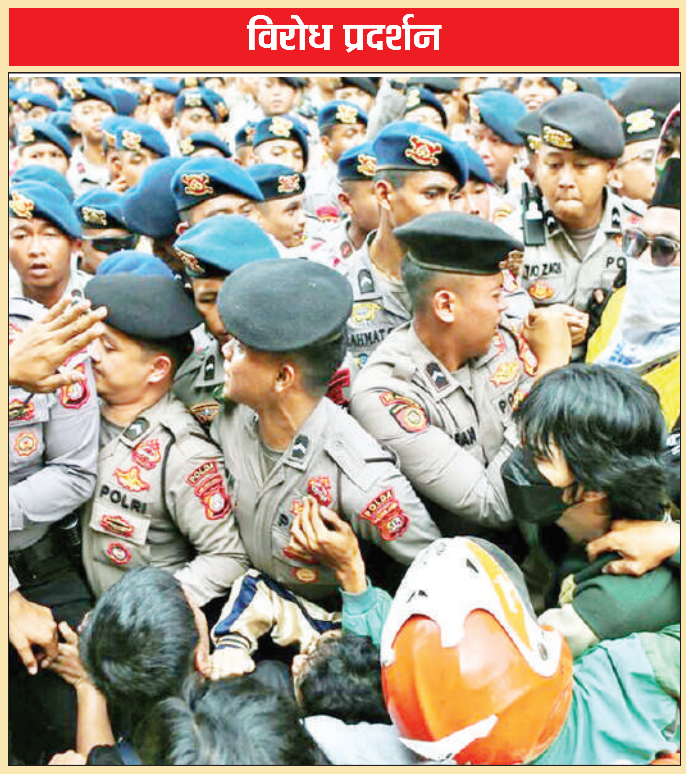

जकार्ता में लोग संसद भवन के बाहर सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए, इन लोगों की मांग है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाये जाने चाहिये।

रूस ने फिर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से मचाई तबाही, रिहायशी इमारतों पर किए हमले

जेलेंस्की का दावा- मास्को युद्ध को आगे बढ़ाने लगातार बढ़ा रहा अपनी युद्ध क्षमता

कीव

यूक्रेन में रूसी हमले जारी हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने एक बार फिर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से तबाही मचाई। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस जानबूझकर नागरिक ढांचे को निशाना बना रहा है। रूस ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और इमारतों पर हमले किए। जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस युद्ध को आगे बढ़ाने के लिए अपनी क्षमता लगातार बढ़ा रहा है। रूस अपनी क्षमता विस्तार और मिसाइलों के भंडार बढ़ाने के जिए निवेश कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा कि रूस के हमले के बाद पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। यह एक संयुक्त हमला था, जिसमें ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों दोनों का इस्तेमाल किया गया। रूस ने पोल्टावा, सूमी और खेरसोन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने बताया कि खार्कीव क्षेत्र में रिहायशी इमारतों पर हमला किया गया।

वहीं क्रामाटोर्स्क में एक गाइडेड हवाई बम एक बहुमंजिला इमारत पर गिरा। राज्य आपातकालीन सेवा की टीमों ने वहां से चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अलावा जापोरिज्जिया में तीन लोग और क्रिवी रीह में दो लोग घायल हुए हैं। ओडेसा में एक इमारत भी हमले की चपेट में आई। कीव क्षेत्र के चुबिन्स्के में ड्रोन हमलों के बाद कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लग गई बाद में इन पर काबू पाया गया।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस लगातार मिसाइलों के भंडार और युद्ध को आगे बढ़ाने की अपनी क्षमता में निवेश कर रहा है। इसका मतलब है कि इसके जवाब में और ज्यादा प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह हमारे यूरोपीय सहयोगियों ने यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अहम फैसले लिए हैं। यह भी जरूरी है कि इनके साथ बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए अतिरिक्त रक्षा पैकेज भी उपलब्ध कराए जाएं खासकर पर्ल के जरिए से।

उन्होंने कहा कि हमारे आसमान की सुरक्षा को मजबूत करने वाला हर कदम रोजाना यूक्रेन के लोगों की जान बचाने में मदद करता है। अगर हमें रूस की लड़ाई जारी रखने की इच्छा को कमजोर करना है, तो हमें उन मिसाइलों को प्रभावी ढंग से निष्क्रिय करना होगा जिनके सहारे मास्को इस युद्ध को आगे बढ़ा रहा है।

अमेरिका लगातार नेपाल के संपर्क में, लापता लोगों की तलाश में वाशिंगटन की काठमांडू से मदद की पेशकश

वाशिंगटन/काठमांडू

ट्रंप प्रशासन नेपाल में लापता लोगों के बारे में चिंतित है। वाशिंगटन ने काठमांडू से बचाव अभियान में शामिल होने की पेशकश की है। नेपाल टूरिज्म बोर्ड के प्रमुख के अनुसार, इस जल आपदा में लापता लोगों में 65 अमेरिकी नागरिक भी शामिल हैं। नेपाल पुलिस ने बताया कि आई बाढ़ में 1,400 से ज्यादा लोग लापता हैं। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, तिब्बत में 558 लोग लापता हैं। इनमें से 260 विदेशी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल आफिस में पत्रकारों को जानकारी दी कि प्रशासन नेपाल सरकार के लगातार संपर्क में है। अमेरिकी अधिकारियों ने नेपाली नेताओं से बात की है और उन्हें बचाव अभियान में जुड़ने के साथ हर तरह की मदद देने की पेशकश की है। ट्रंप ने कहा कि हमारे कितने नागरिक लापता हैं, इसकी पक्की जानकारी नहीं है। मगर नेपाल टूरिज्म बोर्ड के मुताबिक, 65 अमेरिकी लापता हैं।

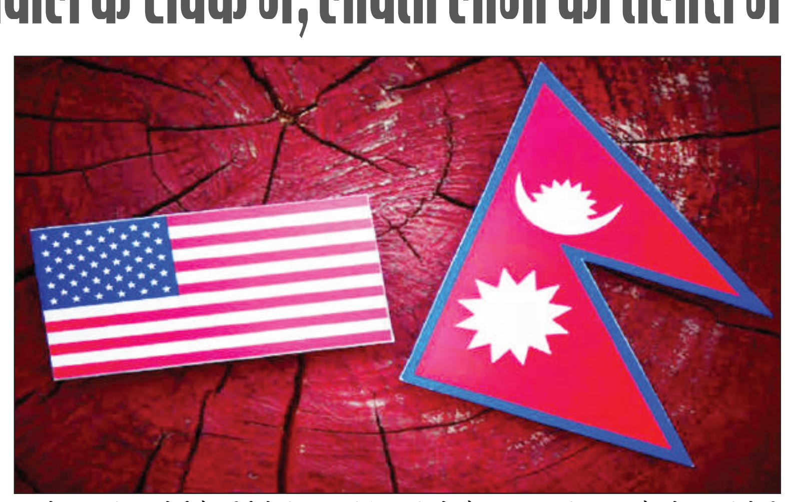

नेपाल टूरिज्म बोर्ड के सीईओ हिकमत सिंह अय्यर ने कम से कम 65 अमेरिकी नागरिकों के लापता होने की पुष्टि करते हुए कहा कि रसुवा जिले के बाढ़ प्रभावित इलाके से 27 विदेशी नागरिकों को बचाया गया है। उनमें दो अमेरिकी नागरिक (एक पुरुष और एक महिला) हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार, नेपाल में प्रभावित नागरिकों की संख्या लगभग 90 हो सकती है। अभी तक किसी अमेरिकी की मौत की जानकारी नहीं है।

विदेश विभाग ने कहा कि जरूरतमंद अमेरिकी मदद के लिए +1-202-501-4444 पर फोन कर सकते हैं। अपने प्रियजनों के बारे में चिंतित परिवार और दोस्त टोल-फ्री नंबर +1-888-407-4747 पर संपर्क कर सकते हैं।

नेपाल में अमेरिकी दूतावास ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। दूतावास ने कहा कि वह लापता अमेरिकी नागरिकों का पता लगाने के लिए काम कर रहा है। दूतावास ने नेपाल के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपने परिवारों, होटलों, गाइडों या ट्रैकिंग और टूर कंपनियों से संपर्क करने की कोशिश करें। हालांकि, दूतावास ने कहा कि संचार व्यवस्था अभी भी बुरी तरह बाधित है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। राहत कार्यों में मदद के लिए एक सलाहकार भेज रहा है। कैथोलिक रिलीफ सर्विसेज को 500,000 डालर की ग्रांट भी दी जा रही है। भारतीय आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु वासुदेव के ईशा फाउंडेशन की लेस्ली क्रेस्पी ने कहा कि इस आपदा में उनके संगठन से संबद्ध 80 लोग लापता हैं। यह सभी कैलाश मानसरोवर की तीर्थयात्रा पर गए थे।

क्रेस्पी ने बताया कि लापता 80 लोग 19 देशों से हैं। इनमें 22 अमेरिकी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 1,000 लोग इस तीर्थयात्रा में शामिल थे। अमेरिकी नागरिक दीपक डंडू ने बताया कि उनकी पत्नी श्रीदेवी वेजेला भी नेपाल में लापता हुए लोगों में शामिल हैं। उन्होंने ईशा फाउंडेशन के साथ तिब्बत में कैलाश पर्वत की तीर्थयात्रा पूरी की थी। वे चीन से नेपाल में प्रवेश कर रही थीं, तभी बाढ़ आ गई।

मंचेरियाल कांग्रेस में फिर उभरी गुटबाजी, विवेक और पीएसआर के वर्चस्व की जंग तेज

मंचेरियाल, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में आगामी राजनीतिक बदलावों को लेकर एकीकृत जिले में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुख्य रूप से राज्य मंत्री विवेक वेंकटस्वामी और विधायक प्रेमसागर राव (पीएसआर) के गुटों के बीच चल रही वर्चस्व की लड़ाई धीरे-धीरे कांग्रेस की अंतरकलह में बदलती नजर आ रही है। दोनों गुटों के बीच वर्चस्व की जंग लगातार जारी है।

विधानसभा चुनावों के बाद मंत्री विवेक वेंकटस्वामी और विधायक प्रेमसागर राव दोनों ही मंत्री पद के दावेदार थे। अंतिम समय में विवेक वेंकटस्वामी को मंत्री पद मिलने से प्रेमसागर राव को निराशा हाथ लगी। इसके बाद से ही दोनों गुटों के बीच राजनीतिक मतभेद शुरू हो गए।

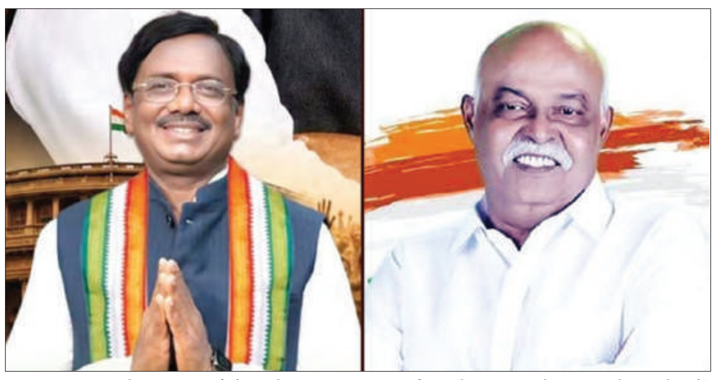

प्रेमसागर राव का खुला असंतोष, विवेक गुट सक्रिय

प्रेमसागर राव जहां खुले तौर पर अपना असंतोष व्यक्त कर रहे हैं, वहीं विवेक वेंकटस्वामी की ओर से कहीं भी खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी यह देखने को मिला कि विवेक वेंकटस्वामी ही अपने पुत्र वंशीकृष्णा को सांसद का टिकट दिलाने के लिए आगे रहे।

हालांकि, जिला प्रशासनिक हलकों में प्रेमसागर राव की ही बात मानी जा रही है। सांसद के रूप में जीत हासिल करने के बाद वंशीकृष्णा मंचेरियाल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को प्राथमिकता देने लगे हैं। इससे प्रेमसागर राव गुट में बेहद नाराजगी बताई जा रही है।

विधायक के समर्थक के रूप में काम करने वाले कई लोग अब मंत्री के समर्थक के रूप में बदलने लगे हैं। समर्थकों के इस तरह पाला बदलने से दोनों गुटों के बीच राजनीतिक दरार और गहरी हो गई है।

मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच पुराने मामले फिर उछले

हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर प्रेमसागर राव को मंत्री पद मिलने की चर्चाएं चल रही थीं। इसी बीच उनके विरोधी पुराने मामलों को फिर से उछालकर राजनीतिक विवाद पैदा कर रहे हैं। इससे स्थिति और जटिल हो गई है। एक ओर विवेक समर्थकों के बीच राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं, वहीं दूसरी ओर विवेक गुट का मुख्य आधार भी प्रेमसागर राव गुट द्वारा कमजोर किए जाने की कोशिश की जा रही है।

काका वेंकटस्वामी की प्रतिमा के अनावरण से मचा हंगामा

मंचेरियाल रेलवे स्टेशन के सामने स्थापित पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय काका वेंकटस्वामी की प्रतिमा का गुरुवार को जगनमोहन राव, मंचेरियाल नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन आर. उपलैया, पूर्व पार्षद राजाजी आदि द्वारा अनावरण किया गया। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के बाद राजनीतिक हलकों में हंगामा खड़ा हो गया।

जगनमोहन राव द्वारा प्रतिमा का अनावरण कराने के पीछे मंत्री विवेक वेंकटस्वामी का हाथ होने का मुख्य आरोप लगाया जा रहा है। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के दौरान उनके पुत्र एवं सांसद वंशीकृष्णा की गैरमौजूदगी भी ध्यान देने योग्य रही और इसे लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

पहले से ही आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद और निर्मल जिलों में गुटबाजी के मतभेदों से जूझ रही कांग्रेस के लिए विवेक वेंकटस्वामी और प्रेमसागर राव के गुटों के बीच चल रही यह जंग अब एक और बड़ी सिरदर्द बन गई है। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में अंतरकलह को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जगनमोहन राव गुट में कॉर्पोरेटर वेंकट स्वामी शामिल

वहीं दूसरी ओर, जगनमोहन राव के गुट में 47वें डिवीजन के कॉर्पोरेटर वेंकट स्वामी गुरुवार को हैदराबाद में मंत्री विवेक वेंकटस्वामी और सांसद वंशीकृष्णा की उपस्थिति में शामिल हो गए। इस कार्यक्रम में नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन आर. उपलैया और अन्य लोग भी शामिल थे।

समर्थकों के लगातार गुट बदलने और अलग-अलग कार्यक्रमों में नेताओं की सक्रियता से मंचेरियाल कांग्रेस में अंदरूनी राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। आने वाले दिनों में दोनों गुटों के बीच यह राजनीतिक खींचतान किस दिशा में जाती है, इस पर पार्टी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण और दीपक को बच्चों ने राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया। कार्यक्रम में मधिरा ध्रुविका और रुचि सहित बच्चों ने दोनों को राखी बांधी। मधिरा सत्यनारायण ने बच्चों को मिठाई खिलाई और उपहार भेंट किए।

गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह 5 को

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भक्ति, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन को समर्पित रिसर्च फाउंडेशन फॉर डिवोशनल, लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज ङ्गतुलसी भवनफ, उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा फिल्म, टेलीविजन एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स इंस्टीट्यूट, हैदराबाद-40 के प्रोफेसर प्रदीप कुमार के सहयोग से गोस्वामी तुलसीदास जयंती-2026 समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

समारोह 5 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे त्यागराज गाना सभा, हैदराबाद में आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रोफेसर भट्टू रमेश, निदेशक, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना, हैदराबाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रोफेसर शुभदा वंजपे (सेवानिवृत्त), हिंदी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता के रूप में मुख्य संबोधन देंगी, जबकि डॉ. प्रियदर्शिनी, हिंदी विभाग, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (ईएफएलयू), हैदराबाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

शबरी नाटक का मंचन

समारोह के दौरान प्रोफेसर प्रदीप कुमार एवं डॉ. एच. के. वंदना द्वारा ङ्गशबरीफ नाटक का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर कुछ भाषा व्याख्यान देने वाले विद्वानों का सम्मान भी किया जाएगा।

आयोजकों ने सभी साहित्यप्रेमियों, विद्वानों एवं संस्कृति के प्रति रुचि रखने वाले नागरिकों से समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने का आग्रह किया है।

मंचेरियाल में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

मंचेरियाल, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर मंचेरियाल में पारीक परिवार द्वारा भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की मंगलकामना की। राखी बांधने के बाद भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट किए और जीवनभर उनके सुख-दुःख में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। परिवार के सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं तथा मिठाई खिलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

परिवारजनों ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और आपसी स्नेह का प्रतीक है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच ऐसे पारिवारिक आयोजन रिश्तों को मजबूत करने और आपसी अपनत्व बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पूरे कार्यक्रम के दौरान परिवार में उत्साह और खुशी का माहौल रहा।

श्री संतोषी माता अम्मावरी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

बांसवाड़ा, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रावण पूर्णिमा (राखी पूर्णिमा) के पावन अवसर पर शुक्रवार को बांसवाड़ा शहर स्थित श्री संतोषी माता मंदिर में श्री संतोषी माता अम्मावरी का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

मंदिर के पुजारी श्याम राव कुलकर्णी तथा सवेला पुरुषोत्तम शर्मा और जपाल चंद्रशेखर शर्मा के नेतृत्व में सुबह 9 बजे भक्तों द्वारा सामूहिक पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद होम कार्यक्रम, पालना कार्यक्रम तथा पालकी सेवा आयोजित की गई। दोपहर 1 बजे सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया। जन्मोत्सव समारोह में बांसवाड़ा मंडल के विभिन्न गांवों और कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं महिलाओं ने भाग लेकर माता के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

सेवा भावना से बेगम बाजार में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं राहगीरों को भोजन वितरित कर सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने कहा कि आज का दिन बहुत ही पवित्र और विशेष है। रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में बहुत बड़ा स्थान रखता है। यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें पर्वों के माध्यम से केवल उत्सव मनाने की प्रेरणा ही नहीं देती, बल्कि सेवा, सहयोग और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश भी देती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा अन्नदान मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है। जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना सच्ची सेवा है और इस प्रकार के कार्य समाज में आपसी सहयोग एवं संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर शिव भगवान, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे और अन्नदान सेवा में सहभागिता की।

ताड़कोल चौराहे पर हादसे के बाद प्रशासन अलर्ट, अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

बांसवाड़ा, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को बांसवाड़ा शहर के व्यस्त ताड़कोल चौराहे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक बच्चे की मौत के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया। हादसे के कुछ ही घंटों बाद आरडीओ रविंदर रेड्डी, म्युनिसिपल कमिश्नर गोपू गंगाधर और शहर के सीआई तुला श्रीधर ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सामने आया कि चौराहे के आसपास लगे कुछ अवैध शेड, डस्टबिन और फ्लेक्सी बोर्ड के कारण वाहन चालकों को दूसरी दिशा से आने वाले वाहन स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे थे। विशेषकर स्कूल के समय विद्यार्थियों के सड़क पार करने के दौरान यह स्थिति अधिक जोखिमपूर्ण बन रही थी।अधिकारियों ने हादसे की संभावित वजह बने अवैध ढांचों को चिन्हित कर जेसीबी की मदद से उन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू करवाई। साथ ही चौराहे पर स्पीड ब्रेकर, आवश्यक संकेतक बोर्ड और सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया।आरडीओ रविंदर रेड्डी ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सड़क सुरक्षा के स्थायी उपाय किए जाएंगे। वहीं स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों के अभिभावकों ने मांग की कि प्रशासन हादसे के बाद कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि पहले से ही संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करे।

भामाशाह चन्द्रेश हर्ष का नागरिक अभिनंदन, सेवा कार्यों की सराहना

बीकानेर, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्म बगीचा प्रन्यास के तत्वावधान में पुष्करणा समाज गौरव रत्न, भामाशाह एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी चन्द्रेश हर्ष का नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि गायत्री आश्रम सागर के रामेश्वरानंदजी महाराज रहे। अध्यक्षता ब्रह्म बगीचा प्रन्यास के अध्यक्ष तोलाराम पेड़ीवाल ने की, जबकि रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष शशिमोहन मुंधड़ा विशिष्ट अतिथि रहे। रामेश्वरानंदजी महाराज ने कहा कि समाज के प्रति समर्पित होकर कार्य करना ही सच्ची सेवा है। चन्द्रेश हर्ष ने सेवा और सहयोग के माध्यम से समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। तोलाराम पेड़ीवाल ने कहा कि भामाशाह समाज की जरूरतों को समझकर आगे आते हैं और चन्द्रेश हर्ष का सामाजिक योगदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। शशिमोहन मुंधड़ा ने कहा कि समाजसेवा केवल संसाधन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के साथ खड़े होने की भावना है। चन्द्रेश हर्ष ने इस भावना को निरंतर आगे बढ़ाया है। माहेश्वरी सभा के शहर अध्यक्ष सुनील सारड़ा ने भी समाज के विकास में भामाशाहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए हर्ष के सेवा कार्यों की सराहना की।अधिवक्ता हीरालाल हर्ष ने कहा कि व्यवहार कुशल एवं श्रेष्ठ व्यक्तित्व के धनी चन्द्रेश हर्ष का जीवन सामाजिक सरोकारों से जुड़ा रहा है और उनका सहयोग अनेक लोगों के लिए संबल बना है। बृज गोपाल जोशी ने कहा कि सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहना अपने आप में बड़ी बात है।कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने चन्द्रेश हर्ष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की प्रशंसा करते हुए अभिनंदन पत्र का वाचन किया। उन्होंने कहा कि हर्ष का व्यक्तित्व संवेदनशीलता, सहयोग और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचायक है।

राजस्थानी कवि जगदीश रतनू ने समारोह का संचालन किया।

सिरोही निवासी तातेड परिवार द्वारा रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुष्पाबेन-जैनरत्न रमेश पी. तातेड, पूनम-रीतेश तातेड, रीना-तपन तातेड, हिया, जिनय, एतांश एवं हरित तातेड सहित परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और आपसी विश्वास का संदेश दिया। परिवारजनों ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और पर्व की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर पूरे परिवार में उत्साह एवं आत्मीयता का माहौल रहा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप की सहकर्मी के साथ लोकप्रियता बढेगी। व्यावसायिक रूप से चीजें ठीक ठाक चलेगी आपकी प्रगति होगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आपको आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नये रास्ते बनेंगे . भाई-बहनों मे संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा की योजना बन सकती है. आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय और खुशहाल रहेगा। हल्का और तंदरुस्ती वाला भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें आप का दिन पाजिटिव रहेगा। आज आपके पहले किये गये प्रयास सफल होंगे अगर आप बिजनेसमैन है तो मेहनत ज्यादा करनी पडेगी। परिवार वालो के साथ समय बिताए उत्साह पूर्ण माहौल रहेगा. छात्रों के लिये आज का दिन ठीक है. कुछ ना कुछ नया सिखने को मिलेगा. आप को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा. शारीरिक रुप से आप फिट रहेगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज परिवार की सभी जरूरी और आवश्यक बातो पर गंभीर रुप से विचार करना चाहिए। परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. बिजनेस में बढ़ोतरी के लिये नए मौके मिल सकते हैं. मित्र और सम्बन्धी आप की मदद कर सकते हैं आप को लाभ पहुचा सकते हैं जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा. पति-पत्नी के बीच आपसी तालमेल बना रहेगा. भाइयों का सहयोग मिलेगा. संतान के कार्यों से आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को योग एवं प्राणायाम करते रहना चाहिए आप का कोई पुराना रोग परेशान कर सकता हैं पेट , कमर से जुडा मरज आप के व्यवस्थित जीवन को अस्त व्यस्त कर सकता हैं आर्थिक रुप से कमजोरी के कारण आप को कर्ज की रकम लेनी पड सकती हैं कार्यस्थल पर आप को सदैव अपने सहकर्मियों का समर्थन लेने के लिए मृदु भाषी होना पडेगा अगर आप प्रॉपर्टी-डीलर है या कन्स्ट्रक्शन का कार्य करते है तो सभी दस्तावेजों को गौर करके ही आगे बढाना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज पहले जो जरूरी खास काम है उस को पूरा करने की कोशिश करें. अपने काम मे फुर्ती दिखाए आप ईनाम के हकदार होंगे। छात्रों को कम मेहनत करने पर भी प्रबल भाग्य के बल पर सफलता हासिल हो सकती है. विवाहित जोडें आज एक दूसरे की भावनाओं को समझे और एक दूसरे की मन की बात जानने की कोशिश करें, रिश्तों में मधुरता बढेगी. अगर आप किसी निजी समस्या से परेशान चल रहे हैं तो, उससे निजात पाने के लिये कोई ठंडा स कदम उठाना पडेगा जिससे आपकी मुश्किल आसान हो सकती है.स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप के लिए जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसानदेह साबित हो सकता हैं , इसलिए सोच विचार करके ही नतीजे पर पहुंचे ताकि जिन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जैसे जैसे समय बितता जाएगा वित्तीय तौर पर सुधार आएगा.पारिवारिक सदस्य की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत पडेगी. परन्तु सुधार जल्दी ही देखने को मिलेगा। जमीन का सौदा करना अभी के समय मे लाभकारी हैं दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से न थकाएँ. थकान को दूर करने के लिए मैडिटेशन करते रहें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज पुरानी परियोजनाए जल्दी ही अपने अन्तिम रुप मे पहुंचेगी आपको विभिन्न निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है. आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आप एक समृद्ध और सुखी पारिवारिक जीवन जिएंगे, परिवार में उत्सव हो सकता है. आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा. आज मौसम सम्बन्धित बिमारी घर के सदस्यों को परेशान कर सकती हैं , आयुर्वेदिक वस्तुओं का इस्तेमाल करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज भैरव मंदिर के दर्शन करें तेल का दीपक प्रज्वलित करें, अटके हुए कोर्ट-कचहरी के मामलें सुलझ सकते हैं . कुछ लोगों का व्यवहार आज आपकी समझ से बाहर रहेगा. जरुरत पड़ने पर साथ के कुछ लोग आपकी मदद नहीं करेंगे. ऐसी स्थितियों में पुराना घनिष्ठ मित्र जरूर याद आएगा ज्यादातर समय बच्चों का घर पर बितेगा, और उनसे कुछ बातें करेंगे. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. घर का माहौल खुशनुमा रहेगा. अचानक धनलाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन कुछ तकलीफ़े ला सकता हैं आपकी मुलाकात ईष्ट मित्रों से हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। घर परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। इलाज में खर्च ज्यादा होने की संभावना है। दूसरों की मदद कर सकते हैं।अपनी दिनचर्या में बदलाव लाना होगा जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक बना रहे। अपरिचित लोगों से वार्ता नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज हनुमान मंत्र का जप करें तेल से अभिषेक करना चाहिए परन्तु आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको परिवार का सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। कार्य क्षेत्र में भी नुकसान उठाना पड सकता है। प्रभु की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी। आपकी किसी समस्या का समाधान होगा। युवाओं को नौकरी मिल सकती है। कुसंगति को छोड़ें। निवेश के अवसर आएंगे। छात्रों को सफलता निश्चित हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का माहौल खुशनुमा रहेगा पारिवारिक सुख शांति भी रहेगी। आज का दिन ठीक रहेगा। वाहन चलाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज धार्मिक कार्यों में आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंतित रहेंगे। जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे कुछ भूल हो सकती है। आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी से विवाद हो सकता है। घनिष्ठ मित्रों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भाग्य प्रबल हैं कर्मो के आधार पर निश्चित ही सफलता मिलेगी किस्मत का साथ मिलेगा। किसी से विवाद होने के बाद मन में नकारात्मक सोच ज्यादा रहेगी। स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन दिखाई देगा। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। बुजुर्गों को सेहत से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको निवेश पर अच्छा फायदा मिलेगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। भोजन बहुत ही हल्का करें स्वास्थ्य एकदम चुस्त दुरुस्त रहेगा

आज का पंचांग

दिनांक : 29 अगस्त 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 09:58 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद रात्रि 03:43 तक
योग : सुकर्मा प्रातः 06:36 तक
करण : कौलव प्रातः 09:58 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 09:38 तक
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , चातुर्मास व्रती को भाद्रपद मास में दही खाना वर्जित है , अशून्य शयन व्रत पूर्ण

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

संकष्टी चतुर्थी पर कौन करता है निर्जल व्रत और क्यों

गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है।

वैसे हर माह के कृष्ण पक्ष चतुर्थी मनाई जाती है यूं तो यह गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है। यह व्रत संकटों तथा दुखों को दूर करने वाला तथा प्राणी मात्र की सभी इच्छाएं व मनोकामनाएं पूरी करने वाला है। इस दिन स्त्रियां निर्जल व्रत करती हैं। इस दिन कच्चे तिल को कूटकर गणेशजी की मूर्त बनाई जाती है और उनकी पूजा की जाती है और कथा सुनने के बाद लोटे में भरा जल चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही व्रत खोला जाता है। रात्रि को चंद्रमा को अर्ध्य देने के बाद ही महिलाएं भोजन करती है। संकट चौथ के दिन तिल को भूनकर गुड के साथ कूटकर तिलकुटा यानि तिलकुट का पहाड बनाया जाता है। उसकी पूजा करके घर का कोई बच्चा उसकी गर्दन काटता है, फिर सभी को प्रसाद दिया जाता है।

तिलकुटे से ही गणेशजी का पूजन किया जाता है तथा इसका ही बायना निकालते हैं और तिलकुट को भोजन के साथ खाते भी हैं। जिस घर में लडके की शादी या लडका हुआ हो, उस वर्ष संकट चौथ को सवा किलो तिलों को सवा किलो शक्कर या गुड के साथ कूटकर इसके तेरह लड्डू बनाए जाते हैं। इन लड्डूओं को बहू बायने के रूप में सास को देती है। कहीं-कहीं इस दिन व्रत रहने के बाद सायंकाल चंद्रमा को दूध का अर्ध्य देकर पूजा की जाती है। गौरी-गणेश की स्थापना कर उनका पूजन तथा वर्षभर उन्हें घर में रखा जाता है।

तिल, ईख, गंजी, भांटा, अमरूद, गुड, घी से चंद्रमा गणेश का भोग लगाया जाता है। यह नैवेद्य रात भर डलिया से ढककर रख दिया जाता है, जिसे 'पहार' कहते हैं। पुत्रवती माताएं पुत्र तथा पति की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं। उस ढके हुए 'पहार' को पुत्र ही खोलता है तथा उसे भाई-बंधुओं में बांटा जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया।

इन मंत्रों का करें उच्चारण

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्म
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः ।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया।

हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रहाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

ऐसे करें व्रत

इस दिन प्रातः ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए, तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दुःखों से मुक्त हो जाता है।

घर में अवश्य लगाएं तुलसी के पौधे क्योंकि

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है।

तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं।

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान।

1. वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है।
2. तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढता है।
3. पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी।
4. अगर संतान बहुत ज्यादा जिदी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें।
5. यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी।
6. यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढाएं।
7. नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपडे में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।
8. शरीर में नाक, कान वायु, कफ, ज्वर खांसी और दिल की बीमारियों पर तुलसी के पत्ते रोग दूर करने में सहायक हैं।
9. तुलसी एकमात्र पौधा है जो जीवन को सुखमय बनाने में सक्षम है।

उपनिषद में मन: मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है

मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है। मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है।

कौषिति की उपनिषद

मन की सक्रियता का आधार आत्मा है और इसको जानने पर बल दिया जाना चाहिए। ज्ञान का आधार तप, संयम और निःस्वार्थ कर्म है।

केन उपनिषद

मन दसों इंद्रियों का अधिपति है और जब मन इनसे संयुक्त होता है तभी उन विषयों का ज्ञान होता है। मन अनंत है। मन ही ज्योति है, मन ही सम्राट है और मन ही परम ब्रहम है।

वृहदारण्यक उपनिषद

मन आत्मा द्वारा निर्देशित अंतरइंद्रिय है, जो दूसरी इंद्रियों को निर्देशित करता है। जिसने अपना चरित्र शुद्ध नहीं किया, जिसकी इंद्रियां शांत नहींरह सकतीं, जिसका चित्त स्थिर नहीं, मन सदैव अशांत रहता है, वह केवल बाहय जगत के आधार पर आत्मा को प्राप्त नहींकर सकते।

यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है

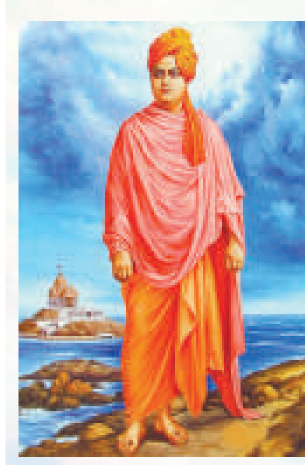

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन...

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन।

योगियों के मत से मुख्यतः तीन नाडियां होती हैं। ये तीनों मेरुदंड के भीतर रहती हैं। बाईं ओर है इडा, दाहिनी ओर पिंगला और बीच में सुषुम्ना। इडा और पिंगला ज्ञान-तंतुओं से बनी हुई हैं, पर सुषुम्ना ज्ञानतंतुमय नहीं है। सुषुम्ना बंद रहती है और साधारण मनुष्य के लिए इसका कोई उपयोग नहीं होता। वह इडा और पिंगला से ही अपना काम लिया करता है। इन्हीं नाडियों द्वारा संवेदना का प्रवाह आता-जाता रहता है और संपूर्ण शरीर में फैले हुए ज्ञान-तंतुओं द्वारा शरीर की पृथक-पृथक इंद्रियों तक ये नाडियां आदेश पहुंचाती हैं। इडा और पिंगला का व्यवहार नियमित करना और उनमें गति उत्पन्न करना प्राणायाम का उदेश्य है। पर यह कोई बडी बात नहीं है। श्वासोच्छ्वास द्वारा हवा फेफडों में खींचना और उसके द्वारा खून साफकरना, इसमें कोई गुप्त रहस्य नहींहै। यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है। वस्तुतः प्राणायाम से सिद्ध हुई इडा और पिंगला की गति जब नियमित होकर अत्यंत सूक्ष्म हो जाती है, तब हम मूलभूत शक्ति को, जिसे हम प्राण कहते हैं, प्राप्त होते हैं। विश्व में सर्वत्र दिखाई देने वाली सब क्रियाएं इस प्राण के विभिन्न रूप हैं। यह प्राण सूक्ष्म महाशक्ति है। मस्तिष्क द्वारा यह प्राणशक्ति विचार के रूप में प्रकट होती है। सब वस्तुएं प्राणमय हैं और यह प्राण-शक्ति ही सूर्य, चंद्र, तारे आदि को चला रही है। विश्व में जो कुछ विद्यमान है, वह प्राण के स्पंदन का ही कार्य है। प्राण के सर्वोच्च स्पंदनों का कार्य है- विचार। इससे परे अगर कुछ है, तो वह हमारी कल्पना शक्ति के बाहर है। विभिन्न शक्तियों का रूप लेकर शरीर के प्रत्येक भाग को प्राण ही चलाता है। यह पुरानी कल्पना छोड दो कि ईश्वर नाम का कोई है, जो यह सब कार्य चला रहा है। काम करते समय हम थक जाते हैं, क्योंकि उसमें प्राणशक्ति व्यय हो जाती है।

कर्म का आधार है विचार

विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।

आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन... वेदांत में बताया गया है कि शारीरिक कर्म मात्र परिणाम है, उसका वास्तविक कारण कुछ और है। शारीरिक कर्म होते हुए दिखता तो है, परंतु वह क्यों किया गया, इसके कारण का पता नहीं चलता। अगर मात्र शरीर ही कर्म कर रहा होता तो देहांत के बाद शरीर कर्म क्यों करता। मृत्यु के उपरांत शरीर में कर्म करने की क्षमता कुछ देर तक रहती है। मृत व्यक्ति के अंगों का दान करने से वे जीवित व्यक्ति के लिए काम आ जाते हैं। यानी देह में मृत्यु के बाद भी कर्म करने की क्षमता होती है। कार्य करने की प्रक्रिया भले ही शरीर से होती है, लेकिन उसके अन्य कारण हैं। कर्म का कारण इच्छा है। इच्छा का कारण विचार है तथा विचार का कारण वासना है। वासना का अर्थ हमेशा नकारात्मक नहीं होता। वासना का एक अर्थ 'खुशबू' भी है। स्वभाव या प्रवृत्ति को भी वासना कहा गया है। वासनाएं पहले विचार रूप में प्रकट होती हैं। विचार पर केंद्रित होने पर विचार इच्छा में बदल जाता है। फिर इच्छा कर्म के रूप में प्रकट हो जाती है। आदि शंकराचार्य ने वासनाओं को 'अज्ञान' कहा है। इसीलिए योगी-महात्माओं ने विचारों की शुद्धता पर बल दिया। विचार अच्छे होंगे तो कर्म भी श्रेष्ठ होगा। मान लीजिए, अगर आटे में कंकड हैं, तो चाहे आप कितना भी अच्छा खाना क्यों न पकाते हों, रोटी खराब ही बनेगी। आटा अच्छा हो, तो रोटी अच्छी भी बन सकती है और खराब भी, परंतु आटा ही खराब हो तो रोटी कैसे अच्छी बनेगी। कर्म का मूल कारण विचार है, इसलिए अगर विचार नकारात्मक होंगे तो कर्म श्रेष्ठ नहीं होगा। कर्म अगर भवन है, तो विचार उसकी नींव। कर्म की बुनियाद ही खराब होगी तो भवन अच्छा नहीं होगा। अगर विचारों में स्थिरता है तो कार्य को करने में हमें खुशी का अनुभव होगा। आज के जीवन में तो यह और भी जरूरी है कि किसी काम की शुरुआत अच्छे विचारों से हो।

भगीरथ ने बदायूं में किया था तप।

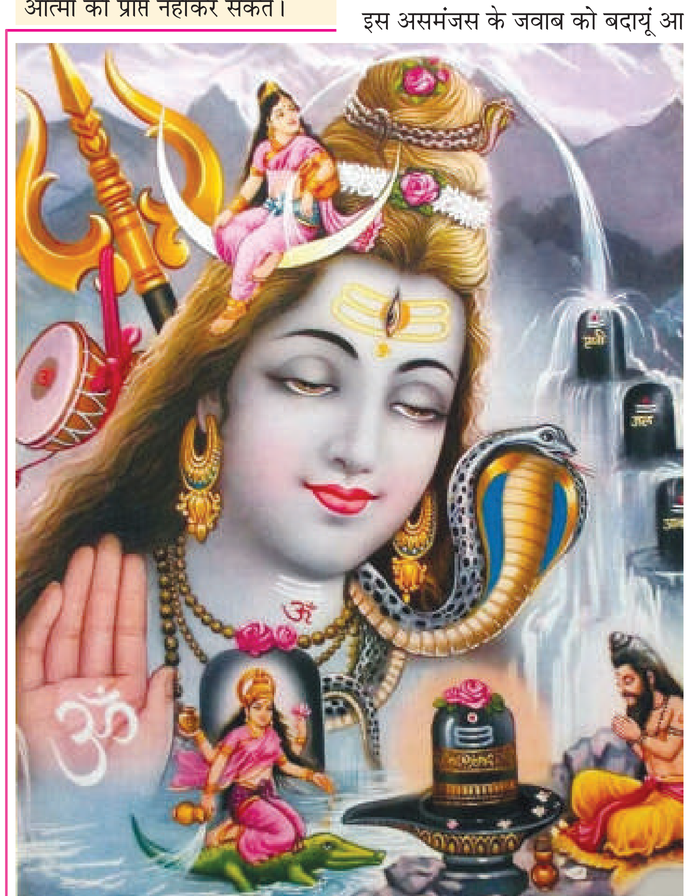

गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे। गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन मे बदायूं, [लोकेश प्रताप सिंह]। गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे।

गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन में कौंध जाएंगे। इसके बाद भी शायद संतोषजनक जवाब न मिल सके। इस असमंजस के जवाब को बदायूं आ जाएं। यहां गंगा के कछलाघाट से कुछ ही दूर पर बूढी गंगा के किनारे एक प्राचीन टीले पर अनूठी गुफा है। कपिल मुनि आश्रम के बगल स्थित इस गुफा को भगीरथ गुफा के नाम से जानते हैं। पहले यहां राजा सगर के 60 हजार पुत्रों की भी मूर्तियां थी, जो कुछ साल पहले चोरी चली गई। करीब ही राजा भगीरथ का एक अति जीर्ण-शीर्ण मंदिर है, जहां अब सिर्फ चरण पादुका बची है। आध्यात्मिक दृष्टि से सूकरखेत (बाराह क्षेत्र) का वैसे भी बहुत महत्व है। बदायूं के कछला गंगा घाट से करीब पांच कोस की दूरी पर कासगंज की ओर बढकर एक बोर्ड दिखाई पडता है, जिस पर लिखा है भगीरथ गुफा। एक गांव है होडलपुर। थोडी दूर जंगल के बीच एक प्राचीन टीला दिखाई पडता है। बरगद का विशालकाय वृक्ष और अन्य पेडों के झुरमुटों बीच मठिया है। इसी टीले पर स्थित है कपिल मुनि आश्रम और भगीरथ गुफा। लाखोरी ईटों से बनी एक मठिया के द्वार पर हनुमानजी की विशालकाय मूर्ति लगी है। भीतर प्रवेश करने पर एक मूर्ति और दिखाई पडती है, इसे स्थानीय लोग कपिल मुनि की मूर्ति बताते हैं। मूर्ति के बगल से ही सुरंगनुमा रास्ता अंदर को जाता है, जिसमें से एक व्यक्ति ही एक बार में प्रवेश कर सकता है। पांच मीटर भीतर तक ही सुरंग की दीवारों पर लाखोरी ईटें दिखाई पडती हैं। इसके बाद शुरू हो जाती है कच्ची अंधेरी गुफा। सुरंगनुमा रास्ते से भीतर जाने के बाद एक बडी कोठरी मिलती है, जहां एक शिवलिंग भी कोने में है। कोठरी के बाद फिर सुरंग और फिर कोठरी। पर्याप्त रोशनी के साथ इस रास्ते से बढते हुए चौथी कोठरी तक पहुंचने के बाद तो साथ गए स्थानीय फरीदपुर के श्याम गिरि की भी हिम्मत जवाब दे गई। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां तक भी कोई नहीं आता, बिना ऑक्सीजन मास्क के आगे चलना ठीक नहीं है। श्याम गिरि ने बताया कि पहले गंगा इसी टीले के बगल से होकर बहती थीं। अभी भी गंगा की एक धारा समीप से होकर बहती है, जिसे बूढी गंगा कहते हैं। टीले के नीचे स्थित मंदिर से दुर्लभ मुखार बिंदु शिवलिंग भी चोरी चला गया था। इन घटनाओं की बाकायदा प्राथमिकी दर्ज हुई। बाद में पुलिस ने पाली (अलीगढ) के एक तालाब से शिवलिंग तो बरामद कर लिया, लेकिन सगर पुत्रों की मूर्तियों का अभी भी कोई पता नहीं है। इसी टीले पर तीन समाधि भी हैं, जिसे गोस्वामी तुलसीदास के गुरु नरहरिदास की समाधि कहते हैं। यहां राजा भगीरथ का मंदिर है, जो कभी बहुत भव्य था।

कछला बनेगा भागीरथ नगर

बदायूं के कछला घाट पर निर्मल गंगा अभियान चला तो गंगासेवी वयोवृद्ध संत त्रिदंडी स्वामी वासुदेवाचार्य ने भगीरथ गुफा के बारे में जानकारी दी। श्री भगीरथ सेवा न्यास ने अभियान से जुडे कई संगठनों को लेकर कछला घाट पर महाआरती की परंपरा शुरू की तो संतों-धर्माचार्यो ने कछला का नाम भगीरथ नगर करने की मांग उठाई। गौरीशंकर मंदिर के मुख्य आचार्य नारायण दास मुदगल कहते हैं कि इस समय भगीरथ गुफा से सबसे करीब कछला में ही सुविधाजनक गंगा घाट है। इसलिए भी कछला का नाम भगीरथ नगर होना चाहिए और संत-धर्माचार्य खुद यहां राजा भगीरथ का भव्य मंदिर बनवाएंगे। अखिल भारतीय संत सभा के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी पगलानंद भी संतों-धर्माचार्यो के साथ बीते सप्ताह भगीरथ गुफा का दर्शन करके आए। नगर पंचायत कछला की चेयरमैन पुष्पा देवी ने बोर्ड की ओर से कछला का नाम भगीरथ नगर किए जाने का प्रस्ताव पारित करवाने का आश्वासन संतों को दिया है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

दूर करें नाखूनों का पीलापन...

महिलाएं अपने नाखूनों को संवारना पसंद करती हैं। वे इनको ब्राइट और कलरफुल नेल पेंट्स से सजाती हैं लेकिन ये नेल पेंट नाखूनों को नुकसान पहुंचाते हैं जिसकी वजह से नाखून पीले पड़ जाते हैं। ऐसे नाखून देखने में तो खराब लगते ही है साथ ही लुक को खराब कर देते है। इन को छिपाने के लिए फिर नेल पेंट लगाना पड़ता है, लेकिन अब आपको इनको छिपाने की जरूरत नहीं। नींबू आसानी से नाखूनों के पीलेपन को कम कर सकता है। अपने नाखूनों को नींबू के रस में 10-15 मिनट तक डुबोएं और फिर एक मुलायम टूथब्रश से पीले हिस्सों को रगड़ें। इसे तब तक करें जब तक पीलापन दूर न हो जाए। एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा, आधा चम्मच ऑलिव ऑयल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पीले नाखूनों पर लगाएं। फिर किसी ब्रश से स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लें। अपने नाखूनों पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। एक नेल ब्रश की मदद से स्क्रब करें और कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में डुबोकर साफ कर लें। नाखूनों को दिन में 2-3 बार संतरे के छिलके से रगड़े और आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

चावल के पानी से पाएं ब्यूटी...

क्या आपने चावल के पानी से होने वाले ब्यूटी फायदों के बारे में सुना है। अगर नहीं तो आज हम आपको बता रहे कि आप कैसे चावल की मदद से अपने बालों को खूबसूरत और स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं। अगर आपके बाल हेयर स्ट्रेटनर और कैमिकल्स के ज्यादा इस्तेमाल से खराब हो चुके है तो शैम्पू करने के बाद चावल के पानी से हल्के हाथों से स्कैल्प का मसाज करें। फिर 5 मिनट के बाद इन्हें पानी से धो लें। जब आप अपने बालों को स्ट्रेट करवाती है तो इससे वे काफी कमजोर हो जाते है। ऐसे में बालों की चावल के पानी से मसाज करें। चावल का पानी बालों में चमक लाने का काम करता है। चावल के पानी में रोजमैरी, लैवेंडर या टी ट्री ऑयल्स मिलाएं और इस्तेमाल करें। चावल का पानी न सिर्फ एक कमाल का कंडीशनर है बल्कि शैम्पू का काम भी करता है। इसमें पिसा हुआ आंवला या शिकाकाई मिलाकर बालों को धोएं। इससे बाल खूबसूरत होंगे। चावल के पानी को कॉटन बॉल्स की मदद से पूरे चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसके बाद अपने चेहरे को इसी चावल के पानी से धो लें। चावल के पानी में मौजूद विटामिन और मिनरल्स स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह स्किन को ग्लोइंग बनाने का काम भी करता है।

छोटी सी लाइन का जादू...

आईलाइनर एक ऐसा जादू है जो आपके लुक को बदल कर आपको ज्यादा कान्फीडेंट बना देता है। आईलाइनर की एक छोटी सी लाइन आपके मेकअप के अंदाज को ही बदल देती है। इसे लगाने के भी बहुत सारे स्टाइलिश तरीके हैं जो आपकी आंखों को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाते हैं।

आंखों पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है। हर महिला अपनी आंखों को आकर्षक और मोहक बनाना चाहती है, ताकि वह सभी का ध्यान अपनी ओर खींच सके। संभवतः आई लाइनर महिलाओं का सबसे पसंदीदा मेकअप प्रोडक्ट होता है। आंखों में काजल तो हर महिला लगाती है लेकिन काजल के साथ अगर आईलाइनर से आंखों को टचअप दे दिया जाए तो चेहरे का लुक पूरी तरह से बदल जाता है। आंखों पर आईलाइनर लगाना एक कला है। यदि आप इसे ठीक से नहीं लगाती हैं तो यह आपके लुक को संवारने के बजाय उल्टा खराब कर देता है। इसके पीछे का कारण यह है कि अधिकतर को यह नहीं पता होता है कि आंखों में लाइनर, आंखों के आकार और अपने व्यक्तित्व के अनुरूप लगाना चाहिए। आई लाइनर को लगाने के लिए बेशक स्किल की जरूरत पड़ती है। आप इसे कई तरह से लगा सकते हैं। ऑफिस में आपको तैयार होकर जाना पड़ता है, लेकिन ऑफिस के लिए आपको इस तरह की तैयारी करनी होती है जिससे आपको फॉर्मल लुक मिले। ऐसे में आईलाइनर का सिंगल स्ट्रोक अच्छा विकल्प है। यह हमेशा से ही ट्रेंड में है और रहेगा। यदि आपकी आंखे बड़ी हैं तो थोड़ा पतला लाइनर लगाएं वही यदि आपकी आंखे छोटी हैं लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

सिंगल स्ट्रोक

सिंगल स्ट्रोक एक ऐसा लुक है जो हमेशा ट्रेंड में रहता है। ऑफिस में सिंगल स्ट्रोक ही फॉर्मल लुक देता है। आपको शॉपिंग पर जाना हो, तो यह आपके लिए परफैक्ट च्वॉइस है। इसके लिए आप काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। छोटी आंखों के लिए लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

डबल लाइनर

महिलाएं डबल लाइनर को ट्राई करने में थोड़ी झिझक महसूस करती हैं, लेकिन नाइट फंक्शंस के लिए यह लुक एकदम परफैक्ट है। इसमें दो लाइनें आंखों के किनारे से होकर गुजरती हैं। एक ऊपर की पलकों से और दूसरी नीचे की कोल लाइन से। ग्लैमर एड करने के लिए ऊपरी पलक पर इसे थोड़ा पंख जैसा आकार दें।

कलर्ड आईलाइनर

आजकल अलग-अलग कलर्स के आईलाइनर भी काफी इन हैं। इन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ मैच करके लगा सकती हैं। इससे आपकी आंखें तो आकर्षक लगेंगी ही, साथ ही आपका लुक भी मॉर्डन दिखेगा।

इंकी ब्लैक आईलाइनर

ब्लैक आईलाइनर के साथ आंखें बेहद खूबसूरत दिखती हैं इसके फैलने का भी डर नहीं रहता। स्कैच की तरह लगने वाला यह लाइनर बड़ी आसानी से लग जाता है।

व्हाइट आईलाइनर

व्हाइट आईलाइनर कूलेस्ट आइवेयर ट्रेंड है। व्हाइट आईलाइनर ड्रॉमैटिक लुक देता है अगर इसे ठीक से अप्लाई किया जाए। व्हाइट आइलाइनर डल और थकी आंखों में भी चमक ला देता है। जैसे आप ब्लैक आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं, वैसे ही व्हाइट लाइनर लगाएं। थोड़ा ग्लैमर एड करना चाहें तो आई कॉर्नर को हल्का ब्लैक टच भी दे सकती हैं।

विंग इट

अगर आप बिल्ली जैसी आंख यानी कैटी आई पाना चाहती हैं तो विंग इट का इस्तेमाल करें। आप इससे बोल्ड भी दिखेंगी और आपका नारीत्व भी खुलकर सामने आएगा। यह ट्रिक बेहद आसान है। ऊपर की पलक पर नीचे की पलक की तुलना में मोटी लाइन बनाएं। इसके बाद आंख के बाहरी कार्नर से लाइन को बाहर की ओर निकाल दें। आपका शानदार लुक तैयार है।

स्मजिंग का प्रचलन

लाइनर को लगाने के बाद उसको स्मजिंग करना काफी प्रचलन में है। यह आपकी आंखों को काफी ग्लैमरस बना देता है। दोनों पलकों पर सामान्य रूप से लाइनर लगाएं। अब इसे थोड़ा स्मजिंग करके मुलायम बनाएं। खासकर निचली पलक और ऊपरी पलके के किनारे को। प्राकृतिक और प्रभावशाली लुक देने के लिए डार्कर शैडो लगाएं और इसे स्मज किए हुए लाइनर के साथ अच्छे से मिला लें।

360 डिग्री

आईलाइनर लगाने का 360 डिग्री एक सामान्य और चर्चित तरीका है। आपको बस अपनी आंख के चारों ओर बराबर और एक जैसा आइलाइनर लगाना होगा। आपका शानदार लुक तैयार हो जाएगा। कैजुअल मेकअप और नाइट गैदरिंग में आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

केक लाइनर

1930 और 40 के दशक में केल लाइनर काफी लोकप्रिय हुआ था। एक बार फिर यह चलन में लौट रहा है। केक लाइनर से आपके चेहरे का लुक काफी बोल्ड और प्रभावी दिखेगा। और तो और इसके लिए किसी विशेष कौशल की भी जरूरत नहीं होती है। बस इतना ध्यान रखें कि आप इसे सिर्फ और सिर्फ आई लाइनर ब्रश से ही लगाएं।

आंखों को कलर करना

हर तरह के ट्रेंड में कलर देखने को मिल रहा है। फिर चाहे यह कपड़ा हो या मेकअप। काले रंग के ऊपर कलर आइ लाइनर लगाना इस समय काफी प्रचलन में है। अपने पहनावे को और ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए अपने ब्लॉउज या टाप के रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें।

लाइनर के साथ ग्लिटर

फैस्टिव सीजन के लिए ग्लिटर आईलाइनर एक बेहतरीन स्टाइल है। दरहसल ग्लिटरी आई मेकअप ग्लैमर के साथ साथ चमक भी बिखेरता है। यह लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। आपको केवल इतना करना है की आईलाइनर लगाकर उस पर एक लाइन ग्लिटर की एड करनी है।

छोटी आंखों के लिए

यदि आप बिंदास, सुंदर और आधुनिक भारतीय महिला है। इसके अतिरिक्त आप जैसी भी हैं उसमें आप खुश हैं। तो आपका आईलाइनर के प्रति भी आपका नजरिया बोल्ड होना चाहिए। छोटी आंखों पर किनारे तक लिया गया लाइनर बहुत जंचता है। इसके लिए आंखों के किनारे से थोड़ी और ज्यादा लंबी लाइन बनाएं।

स्लिम लुक के लिए ऐसे चुनें कुर्ती...

महिलाएं अक्सर अपने आऊटफिट खरीदते वक्त उसके कलर और डिजाइन्स को देखती हैं। इसी गलती के कारण वे गलत आऊटफिट का चुनाव कर लेती हैं और जो उन पर बिल्कुल सुट नहीं करता। अगर आप भी अपनी कोई कुर्ती खरीदते समय ऐसा करती है तो हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिससे आप सही कुर्ती भी खरीद सकेंगी और स्लिम भी दिखेंगी।

साइज का ख्याल

किसी भी आऊटफिट को खरीदते समय साइज का ध्यान जरूर रखें। पहले अपना साइज देख लें और अपनी फिटिंग के हिसाब से कुर्ती खरीदें। कोशिश करें कि अपनी साइज से एक इंच लंबी कुर्ती ही लें।

चिपकने वाले फैब्रिक्स

कभी भी ऐसे फैब्रिक्स न खरीदें जो आपकी बॉडी से चिपक जाए, क्योंकि यह मटीरियल आपको मोटा दिखाने के साथ-साथ आपके सारे कर्व्स भी उभारेगा।

बॉटम चुनें

अगर आप कुर्ती को स्टाइलिश लुक देना चाहती हैं तो इसे पलाजो और पटियाला जैसे अलग-अलग बॉटम वेयर के साथ पहनें। अगर आपकी हाइट छोटी है तो इसे लेगिंग के साथ कैरी करें।

स्ट्रेट कट

अनारकली, ए-लाइन और फ्लेयर-कट्स वाली कुर्ती में आप कभी भी स्लिम नहीं दिखेंगी। अगर आप स्ट्रेट कट वाली कुर्ती पहनेंगी तो आप स्लिम दिख सकती हैं और हाई नैक या ज्यादा कढ़ाही वाली कुर्ती तो बिल्कुल न पहने।

हैवी फैब्रिक

स्टार्च्ड कॉटन, ज्यादा कढ़ाही वाले कपड़े आपकी बॉडी को भारी और बड़ा दिखाते हैं। इसलिए सिंपल, लाइट और कम चमकीली कुर्ती का चुनाव करें।

स्लीव्स पर दें ध्यान

फुल स्लीव्स आपको मोटा दिखाती हैं, इसलिए शॉर्ट स्लीव्स ही पहनें ताकि आप स्लिम लगें। अगर आपको फुल स्लीव्स का शौक है तो आप 5 इंच की स्लीव पहन सकती हैं।

इनरवेयर

इनरवेयर की सही फिटिंग होगी तो ही कुर्ती की फीटिंग अच्छी होगी। हमेशा कुर्ती के अंदर एक अच्छी टी-शर्ट ब्रा और लो-कट लेस ब्रा ही पहनें। इससे फीटिंग परफेक्ट आएगी।

जापानियों की तरह बनाएं खाना...

पतले होने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। जिम, योग और स्लीमिंग कैप्सूल आम बात हो गई है। जंक फूड़ खाकर बच्चों के साथ अब तो बड़े भी मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा खाना बनाया और खाया जाए जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा हो। इसके लिए हम जापानी तरीके अपना सकते हैं। ये लोग अपना भोजन इस तरह पकाते हैं कि इनका प्राकृतिक स्वाद और रंग नहीं बदलता। वहां के रेस्तराओं में भी खाने को इस तरह पकाया जाता है कि सब्जियां देखने में बिल्कुल ताजी दिखती हैं। हम स्वस्थ भोजन के मामले में जापानी लोगों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। उनके यहां खाना पकाने का अंदाज भी निराला है।

नाम मात्र का तेल

जापान में पालक, चावल, भाप में पकी हुई मछली, हर चीज को बेहद प्राकृतिक तरीके से पकाया जाता है। आचार को सिरका और नमक से बनाया जाता है। खाने में तेल नाम मात्र का प्रयोग किया जाता है। भारत में नाश्ते और लंच के बाद चाय-कॉफी का ज्यादा इस्तेमाल होता है। वहीं जापानी महिलाएं सुबह का नाश्ता करने के बाद चाय-कॉफी जैसी चीजें नहीं लेतीं। काम करने के दौरान भी वे इन चीजों से परहेज रखती हैं। जहां तक खाने की बात है तो खाना कई हिस्सों में थोड़ा-थोड़ा खाया जाता है। एक साथ एक बार में पेट भर खाने की बजाय पूरे दिन थोड़ा-थोड़ा खाना बेहतर होता है। इसमें भूख भी शांत रहती है। नतीजतन हम फालतू चीजें नहीं खाते। ऐसे खाने में शरीर की पाचन क्रिया पूरे दिन सक्रिय रहती है। इससे हम स्वस्थ व पतले रहते हैं।

पानी की ज्यादा मात्रा

जापान के हर घर में जो खाना बनता है उसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है। चाहे वह हरी सब्जियां हों, मछली हो, या फिर नूडल्स। यही इन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है। खाने में सूप और सब्जियां खाना पचाने में मदद करते हैं और पाचन क्रिया भी सही रहती है। पानी की अधिक मात्रा से खाना जल्दी पकता है। खाना भी हेल्दी रहता है। क्योकि पानी की ज्यादा मात्रा हमें ओवरइटिंग से बचाती है।

डेयरी उत्पाद कम

जहां तक डेयरी उत्पाद की बात है तो जापान में इसकी खपत काफी कम है। ज्यादा डेयरी उत्पाद वजन बढ़ाते हैं। मगर इसकी जगह वहां हरी सब्जियों और मछली का इस्तेमाल किया जाता है, जो उनके खाने में कैल्शियम की भरपाई कर देते हैं। ज्यादातर देशों यहां तक कि भारत में खाने में अत्याधिक तेल का इस्तेमाल किया जाता है। मगर जापानी भोजन में तेल का इस्तेमाल बेहद कम मात्रा में किया जाता है जिससे लोग मोटापे का शिकार होने से बचते हैं। खाने में अधिक तेल मोटापा और दिल की बीमारियां पैदा करता है।

मीठे का कम इस्तेमाल

खाने के बाद मीठा खाना हर भारतीय को पसंद है। मगर जापान में मीठे व्यंजन भी बेहद कम खाए जाते हैं। इसलिए यह ज्यादा हानिकारक नहीं होता। वहां ज्यादातर मीठे का बहुत ही कम मात्रा का पैकेट बनाया जाता है, जो फायदेमंद होता है। इस तरह हम जान सकते हैं कि सुपाच्य और स्वस्थ भोजन का मतलब क्या है?

जानें नियमित सैर के क्या हैं फायदे

डिप्रेशन

शोध के अनुसार जो लोग हर सप्ताह 6-9 मील चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने की डिमेंशिया जैसी समस्या की आशंका कम हो जाती है।

डायबिटिज

डायबिटिज में आहार पर नियंत्रण करने से काफी राहत मिलती है। यदि इसके साथ-साथ हर दिन 30 मिनट पैदल चलना शुरू किया जाए, तो टाइप-2 डायबिटिज के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

हृदय रोग

हर दिन 30 मिनट की सैर हृदय रोग के खतरे को भी कम करती है। साथ ही इससे तनाव, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है।

दर्द में राहत

हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे दर्द में राहत मिलती है। शरीर की कार्यप्रणाली दुरुस्त होती है और गतिशीलता आती है।

कैंसर

प्रति सप्ताह पैदल चलना ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ितों में मोर्टेलिटी (मृत्यु दर) के खतरे को 50 प्रतिशत कम करता है।

प्रति सप्ताह पैदल चलने वाले प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों में मोर्टेलिटी की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है।

तनाव से राहत

सुबह या शाम की सैर एंडोरफिंस नामक न्यूरोपेप्टाइड्स को सक्रिय करती है। इससे शरीर को आराम मिलता है, बेचैनी और चिड़चिड़ेपन जैसे लक्षणों में भी सुधार होता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

नेपाल में जल प्रलय

नेपाल में एक बार फिर जलजला, जल-प्रलय आया है, जिसके कारण बिहार के 6 जिलों और उप्र के भी कुछ जिलों को 'अलर्ट' पर रखा गया है। वहां एनडीआरएफ की टीमें भी तैनात हैं। यह प्रलय महाविनाशकारी, महात्रासद् और दायरे में आने वाले तमाम इलाकों, इनसानों, परियोजनाओं को तहस-नहस करने वाला साबित हुआ है। करीब 22 पक्के पुल तबाह हो गए, करीब 12 पनबिजली परियोजनाएं तबाह या क्षतिग्रस्त हो गईं, 431 मेगावाट बिजली की परियोजनाएं भी ध्वस्त हो गईं, राजमार्ग टुकड़े-टुकड़े हो गए, इमारतें, होटल, रेस्तरां, रेस्ट हाउस और गांव के गांव मिट्टी-मलबा होकर प्रलय के प्रवाह में बह गए। करीब 60 घर जमींदोज होकर बह गए, 12 अस्पताल भी 'समतल' हो गए और करीब 1000 टन का पुल भी ध्वस्त हो गया। नेपाल में चीन के 'इमिग्रेशन दफ्तर' की खूबसूरत इमारत का भी नामोनिशान शेष नहीं रहा। यह प्रलय कुदरत का गुस्सा है अथवा खुद इनसान अपना 'महाविनाश' तैयार कर रहा है? ऐसी त्रासदियों के बाद भी इस सवाल का जवाब अनसुलझा है, क्योंकि पहाड़ काट-छांट कर खोखले किए जा रहे हैं और विशेषज्ञ उन्हें 'अति संवेदनशील' करार दे रहे हैं, लेकिन सडक़ें, सुरंगें, पुल, बांध, पनबिजली परियोजनाएं और अन्य निर्माण लगातार जारी हैं। विनाश से भी खौफ नहीं! चीन इस इलाके में पहाड़ काट कर रेलमार्ग बनाने की योजना पर काम कर रहा है। ऐसा है, तो कुदरत के प्रलय बार-बार आएंगे और एहसास दिलाते रहेंगे कि इनसान बहुत 'बौना' प्राणी है। बहरहाल बुधवार देर रात और गुरुवार सुबह तक कुल 844 लोग लापता बताए जा रहे हैं। उनमें 37 एनआरआई और 300 से अधिक भारतीय भी हैं। करीब 225 कर्मचारी और मजदूर भी संपर्क से बाहर बताए गए हैं। कैलाश मानसरोवर के तीर्थ-यात्रियों में 77 ईशा फाउंडेशन के सदस्य भी हैं, जो लापता बताए गए हैं। नेपाल से सटे तिब्बत में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। उसके 3 मिनट बाद ही 'बर्फीला हिमस्खलन' शुरू हो गया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ हुआ है कि ग्लेशियर से 2000 फीट चौड़ा बर्फ का टुकड़ा टूट कर करीब 17,000 फीट की ऊंचाई से गिरा। जहां वह गिरा, वहां बम-विस्फोट जैसा गड्ढा हो गया और ल्हेंदे नदी में पानी जमा होकर एक 'अस्थायी झील' बन गई। दबाव में वह झील टूटी और पानी, बर्फ और मलबे का प्रलयंकारी सैलाब नीचे आया। यह नेपाल-तिब्बत की सीमा पर स्थित भोटेकोशी नदी की ओर बढ़ गया। सैटेलाइट से एक दिन पहले बर्फ की परत तेजी से गायब होती दिखाई दी थी। तापमान बढऩे से ग्लेशियर पिघलने या 'हिमस्खलन' का कारण हो सकता था। बहरहाल जो भी यथार्थ सामने आया, वह महाविनाशकारी है, बेहद खौफजदा है। हम ऐसा ही विनाश, विध्वंस, तबाही केदारनाथ और उत्तरकाशी के प्रलयों में देख-महसूस कर चुके हैं। गुरुवार सुबह तक 175 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी थी, लेकिन विशेषज्ञों की आशंकाएं हैं कि यह आंकड़ा 1000 तक पहुंच सकता है! सुखद खबर यह है कि बचाव ऑपरेशन में 3318 जिंदगियों को बचा लिया गया है। महातबाही, प्रलय की स्थितियों में यह आंकड़ा बेहद मूल्यवान है। हालांकि प्रलय का प्रकोप शांत हो चुका है, लेकिन कीचड़ है, सडक़ें टूट चुकी हैं, मौसम अब भी खराब था, लिहाजा सडक़-मार्ग से ऑपरेशन असंभव-सा था। सैनिकों ने हेलीकॉप्टरों से लोगों की जान बचाई। भारत के ट्रांसपोर्ट विमानों ने 50 टन से अधिक राहत-सामग्री पहुंचा दी है। फंसे लोगों तक उस सामग्री को भेजा जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बातचीत की और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। बहरहाल बिहार के पूर्वी-पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और उप्र के महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर आदि जिलों में 'अति अलर्ट' कर दिया गया है। बिहार में नारायणी नदी गुरुवार सुबह 'खतरनाक संकेत' से ऊपर चली गई थी, लेकिन गंडक नदी का जलस्तर संतोषजनक था। बैराज के सभी 36 गेट खोल दिए गए थे और 1.36 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। फिलहाल आपदा के हालात नहीं हैं, लेकिन बुनियादी समस्या तो यह है कि नेपाल-तिब्बत में हजारों ग्लेशियर झीलें हैं। हिमालयी क्षेत्र शेष दुनिया की तुलना में दोगुनी तेजी से 'गरम' हो रहा है। उसके बावजूद तिब्बत में सडक़ों का निर्माण सवालिया है।

> कैलाश मानसरोवर के तीर्थ-यात्रियों में 77 ईशा फाउंडेशन के सदस्य भी हैं, जो लापता बताए गए हैं। नेपाल से सटे तिब्बत में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। उसके 3 मिनट बाद ही 'बर्फीला हिमस्खलन' शुरू हो गया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ हुआ है कि ग्लेशियर से 2000 फीट चौड़ा बर्फ का टुकड़ा टूट कर करीब 17,000 फीट की ऊंचाई से गिरा। जहां वह गिरा, वहां बम-विस्फोट जैसा गड्ढा हो गया और ल्हेंदे नदी में पानी जमा होकर एक 'अस्थायी झील' बन गई। दबाव में वह झील टूटी और पानी, बर्फ और मलबे का प्रलयंकारी सैलाब नीचे आया। यह नेपाल-तिब्बत की सीमा पर स्थित भोटेकोशी नदी की ओर बढ़ गया। सैटेलाइट से एक दिन पहले बर्फ की परत तेजी से गायब होती दिखाई दी थी। तापमान बढऩे से ग्लेशियर पिघलने या 'हिमस्खलन' का कारण हो सकता था। बहरहाल जो भी यथार्थ सामने आया, वह महाविनाशकारी है, बेहद खौफजदा है। हम ऐसा ही विनाश, विध्वंस, तबाही केदारनाथ और उत्तरकाशी के प्रलयों में देख-महसूस कर चुके हैं। गुरुवार सुबह तक 175 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी थी, लेकिन विशेषज्ञों की आशंकाएं हैं कि यह आंकड़ा 1000 तक पहुंच सकता है! सुखद खबर यह है कि बचाव ऑपरेशन में 3318 जिंदगियों को बचा लिया गया है। महातबाही, प्रलय की स्थितियों में यह आंकड़ा बेहद मूल्यवान है। हालांकि प्रलय का प्रकोप शांत हो चुका है, लेकिन कीचड़ है, सडक़ें टूट चुकी हैं, मौसम अब भी खराब था, लिहाजा सडक़-मार्ग से ऑपरेशन असंभव-सा था। सैनिकों ने हेलीकॉप्टरों से लोगों की जान बचाई। भारत के ट्रांसपोर्ट विमानों ने 50 टन से अधिक राहत-सामग्री पहुंचा दी है। फंसे लोगों तक उस सामग्री को भेजा जा रहा है।

कुछ अलग

इनसान की शक्ल में भेडिय़ा

मैं कहता हूं कि देश पर ध्यान देवो वरना रसातल में जाने में देर नहीं लगेगी। हो यह रहा है कि रियासतों पर अलग-अलग पार्टियां सत्तारूढ़ हैं और केंद्र में अनेक पार्टियां मिलकर शासन कर रही हैं। इससे तालमेल नहीं बन पा रहा और अराजकता की सी स्थिति बन गई है पूरे मुल्क में। प्रधानमंत्री जी को ध्यान देना चाहिए और हो सकता है वे ध्यान दे भी रहे हों और मेरा ध्यान उस तरफ नहीं गया हो, फिर भी लग ऐसा ही रहा है कि पड़ोसी देशों से भाईचारे की बात में ज्यादा उलझे हुए हैं और देश में आपसी सौहार्द नहीं बन पा रहा, जिसका खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ रहा है। इमरजैंसी को छोडक़र कुछ ऐसा किया जाए कि लोकतंत्र का मतलब मनमानी न हो व सभी को ठीक से समझाया जा सके। सारे के सारे हम्माम में ही नंगे नहीं हैं, अपितु वे सार्वजनिक रूप से निर्वसन खड़े हैं। नंगे आदमी का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, लेकिन यदि कानून का राज कायम हो जाए तो उसे कपड़े पहनने को विवश किया जा सकता है।

्लास्टिक और पॉलीथीन के इस्तेमाल से स्थिति और भी गंभीर हो गई है

कचरे के ढेर, बीमारियों के शहर

हम अपने घर को साफ रखने के महत्व से अवगत हैं, लेकिन जैसे ही हम अपने घर से बाहर निकलते हैं, हमारी जिम्मेदारी की भावना गायब हो जाती है। कई लोगों को घरेलू सामान सड़क के किनारे, नाले में, खाली जगह पर या सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने की आदत पड़ गई है। प्लास्टिक बैग, पॉलिथीन, सब्जियों के छिलके, फलों के अवशेष और बचा हुआ खाना नियमित रूप से खुले में फेंक दिया जाता है। लेकिन लापरवाही का यह मामूली सा काम धीरे-धीरे लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। खुले में कूड़ा फेंकने से वह सड़ने लगता है और दुर्गंध आने लगती है। समस्या केवल 'असुविधा' की नहीं है। कचरे के जमाव से गंदगी फैलती है और मक्खियाँ, मच्छर, आवारा जानवर और अन्य कीट आकर्षित होते हैं। प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ नालियों को जाम कर सकते हैं जिससे बरसात के मौसम में पानी जमा हो जाता है। पानी के बहाव में कमी से मच्छरों के पनपने के स्थान बन जाते हैं और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यदि कोई एक व्यक्ति लापरवाही बरतता रहता है, तो यह पूरे मोहल्ले के लिए स्वास्थ्य समस्या बन सकता है। सबसे बुरी बात यह है कि समाज के लोग इसे एक सामान्य बात समझने लगे हैं। हम सड़क किनारे कचरे के ढेर देखते हैं, कुछ पल के लिए नाक ढक लेते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। बहुत कम लोग सोचते हैं कि यह कचरा कहाँ से आता है। वास्तव में, हर कचरे के पीछे किसी न किसी की सुविधा और लापरवाही होती है। अगर कोई व्यक्ति अपने घर में कभी कचरा नहीं डालता, तो वह उसे घर के बाहर कूड़ेदान में क्यों नहीं डालता? जब हम अपने घरों से दूर होते हैं तो सड़कें कूड़ेदान क्यों बन जाती हैं? यह सिर्फ स्वच्छता से कहीं बढ़कर है – यह नागरिक कर्तव्य और सामाजिक आचरण का मामला है। प्लास्टिक और पॉलीथीन के इस्तेमाल से स्थिति और भी गंभीर हो गई है। प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होता और लंबे समय तक पर्यावरण में

बना रहता है। अगर इसे यूं ही फेंक दिया जाए, तो यह नालियों को जाम कर सकता है और पानी के बहाव को रोक सकता है। प्लास्टिक की थैलियों में बचा जैविक कचरा सड़ता रहता है और दुर्गंध फैलाता है, जिससे अस्वच्छता पैदा होती है। आवारा जानवर भी प्लास्टिक खा सकते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। इसलिए, प्लास्टिक का अंधाधुंध और लापरवाही से निपटान समाज, जानवरों और पर्यावरण को प्रदूषित करता है। कचरे और बीमारियों के बीच संबंध में धारणा और वास्तविकता में कोई अंतर नहीं है। खुले कूड़ेदानों में मक्खियाँ और अन्य परजीवी जमा हो जाते हैं, जो बीमारियाँ फैलाते हैं। जमा हुआ और ठहरा हुआ पानी मच्छरों के प्रजनन का स्थान बन सकता है। अनियंत्रित कचरे से कम दूरी पर स्थित घरों में संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है। इस मानसून के मौसम में स्थिति और भी खराब हो सकती है, क्योंकि बारिश के मौसम में कचरा और दूषित पदार्थ आसपास के इलाकों में फैल सकते हैं। लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि समस्या केवल नगरपालिकाओं की है। स्थानीय सरकारें समुदाय को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं: कूड़ा संग्रहण, अपशिष्ट निपटान, नालियों का रखरखाव और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता। साथ ही, इस प्रक्रिया में नागरिकों की भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें अपशिष्ट निपटान करते समय ज़िम्मेदार होना चाहिए, कूड़ा नहीं फैलाना चाहिए, प्लास्टिक का अनावश्यक उपयोग सीमित करना चाहिए और गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना चाहिए। हालांकि, अगर निवासी सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकते रहेंगे तो अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती से समस्या का समाधान नहीं हो जाएगा। अब जरूरत इस बात की है कि स्वच्छता को सरकारी अभियान के रूप में न लिया जाए। स्वच्छता अभियानों की प्रभावशीलता स्पष्ट रूप से दैनिक जीवन में स्वच्छता को शामिल करने से जुड़ी है। बच्चों को स्कूलों में स्वच्छता पर भाषण देखने चाहिए, साथ ही उन्हें स्वच्छता बनाए रखने के लिए कई व्यावहारिक उपाय भी अपनाने चाहिए, जिनमें कचरे का पृथक्करण, कचरे का उचित निपटान और एकल-उपयोग प्लास्टिक का कम से कम उपयोग शामिल है। समुदायों में स्थानीय निगरानी प्रणाली भी विकसित की जा सकती है और निवासियों को अपने पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सकता है। हालांकि नियम और दंड आवश्यक हो सकते हैं, व्यवहार में बदलाव तब तक नहीं आएगा जब तक वे जिम्मेदार आचरण के महत्व को नहीं पहचानते। सार्वजनिक क्षेत्र में स्वच्छता पर होने वाली राजनीतिक चर्चा में भी कचरे की राजनीति झलकती है। स्वच्छता और कूड़ा संग्रहण, जल निकासी और नागरिक अवसंरचना चुनाव के दौरान प्रमुख राजनीतिक मुद्दे होते हैं। हालांकि, चुनाव समाप्त होते ही ये चिंताएं आसानी से भुला दी जाती हैं। कूड़े के ढेर फिर से लग जाते हैं, नालियां जाम हो जाती हैं और दुर्गंध फिर से आम हो जाती है। ₹यह चक्र चलता रहता है, क्योंकि प्रशासनिक जवाबदेही अक्सर असंगत होती है और जनता की भागीदारी भी कम होती है।₹ यह समझना महत्वपूर्ण है कि कचरा केवल नगरपालिका की समस्या नहीं है। यह हमारी दिनचर्या, प्राथमिकताओं और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना का सूचक है। जब हम सार्वजनिक सड़क को अपने घर के आंगन की तरह ही अपनी जिम्मेदारी समझने लगेंगे, तभी हम बदलाव लाना शुरू कर पाएंगे। स्वच्छ सड़कें न केवल देखने में सुंदर लगती हैं, बल्कि एक स्वस्थ और अधिक जिम्मेदार समाज का प्रतीक भी हैं। बीमार होने पर लोगों को अस्पताल और दवाइयों की ज़रूरत पड़ती है, लेकिन बेहतर यही है कि हानिकारक स्थितियों से पहले ही बचा जाए। कचरे की समस्या यह है कि हमें यह समझना होगा कि यह आपकी समस्या नहीं है। स्वच्छता का रहस्य किसी बड़े ऐलान या सरकारी अभियान में नहीं, बल्कि एक छोटे से व्यक्तिगत निर्णय में है: सड़क पर कूड़ा न डालें - उसे कूड़ेदान में डालें। इस छोटी सी आदत को बदलकर हम इन मोहल्लों को, अपने शहरों को और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। स्वच्छता की जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति की नहीं है; यह किसी एक विभाग, किसी एक सरकार या कर्मचारियों के समूह की जिम्मेदारी नहीं है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है और इसकी शुरुआत हममें से प्रत्येक से होनी चाहिए।

> ्लास्टिक बैग, पॉलिथीन, सब्जियों के छिलके, फलों के अवशेष और बचा हुआ खाना नियमित रूप से खुले में फेंक दिया जाता है। लेकिन लापरवाही का यह मामूली सा काम धीरे-धीरे लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। खुले में कूड़ा फेंकने से वह सड़ने लगता है और दुर्गंध आने लगती है। समस्या केवल 'असुविधा' की नहीं है। कचरे के जमाव से गंदगी फैलती है और मक्खियाँ, मच्छर, आवारा जानवर और अन्य कीट आकर्षित होते हैं। प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ नालियों को जाम कर सकते हैं जिससे बरसात के मौसम में पानी जमा हो जाता है। पानी के बहाव में कमी से मच्छरों के पनपने के स्थान बन जाते हैं और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यदि कोई एक व्यक्ति लापरवाही बरतता रहता है, तो यह पूरे मोहल्ले के लिए स्वास्थ्य समस्या बन सकता है। सबसे बुरी बात यह है कि समाज के लोग इसे एक सामान्य बात समझने लगे हैं।

देश दुनिया से

कांग्रेस जहां से चली थी, वहीं पहुंच गई

पिछले कुछ अरसे से सत्ता प्राप्ति की जल्दी में राहुल गांधी देश के विभिन्न समुदायों में दरारें डालने के काम में संलग्न हो गए हैं। उनका पूरा प्रयास है कि जो एजेंडा अपने वक्त में अंग्रेज सरकार ने भारत के लिए तय किया था, इस एजेंडा में भारत के विभिन्न समुदायों में दरारें डालना, देश को बांटने के लिए एक समुदाय को दूसरे से लड़ाना, प्राचीन भारतीय ग्रन्थों की अपने हितों के लिए गलत व्याख्या करना, भारत की कुल आबादी को ही बाहरी-भीतरी बताने के लिए 'आर्य आक्रमण सिद्धान्त' की कल्पना करना इत्यादि प्रमुख कहे जा सकते हैं। आज सोनिया गांधी परिवार की हरकतों को देख कर लगता है कांग्रेस जहां से चली थी अन्त में वहीं पहुंच गई है। आम भारतीय आश्चर्यचकित है कि राहुल गान्धी ऐसा सब क्यों कर रहे हैं जिससे देश विरोधी देशी-विदेशी ताकतों को बल मिलता है। इसके लिए कांग्रेस के मूल उद्देश्य को समझना होगा। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) और उसके परिणाम से घायल और आहत भारतीय चेतना अगली लड़ाई के लिए तैयारियों की योजनाओं के बारे में सोच रही थी। तब अंग्रेजों को ऐसे लोगों की जरूरत थी जो भारतीयों को समझा सकें कि अंग्रेज सरकार भारत के लिए हितकारी है। उसने भारतीयों के कल्याण के लिए बहुत कुछ किया है। इसलिए यह सरकार बनी रहनी चाहिए। अंग्रेज सरकार के पक्ष में यह आन्दोलन तो वही लोग चला सकते थे जो अब तक उनके रंग में ही रंग चुके थे और उनके शिक्षा संस्थानों से शिक्षा प्राप्त कर चुके थे। यदि ऐसे लोगों का एक ग्रुप तैयार हो जाता है तो उनके माध्यम से अंग्रेज भारतीयों से बात भी कर सकेंगे। कम से कम भारतीय अपनी मांगें लेकर अंग्रेज सरकार के पास

आने तो लगेंगे। ऐसा संगठन ब्रिटिश सरकार और भारतीयों के बीच एक सेफ्टी वाल्व का काम कर सकता था। इससे अंग्रेज सरकार को भारत में बने रहने की लेजिटिमेसी मिल जाएगी। 1857 के महासमर के बाद ब्रिटिश सरकार को भारत पर राज करने के लिए इस लेजिटिमेसी की सबसे ज्यादा जरूरत थी। इस पृष्ठभूमि में 1885 में एक ऐसा ही संगठन बना, जिसका नाम 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' रखा गया। इसमें आभिजात्य वर्ग के 70 के आसपास अंग्रेजी पढ़े लिखे शहरी लोग शामिल थे। कांग्रेस को बनाने के उद्देश्य की व्याख्या लाला लाजपत राय ने अपने वक्त में बहुत ही साफगोई से की थी। वे अपनी पुस्तक यंग इंडिया में लिखते हैं- 'इसमें कोई शक नहीं है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन करने का विचार उस समय के वायसराय लार्ड डैफरिन का था। उसने सर ह्यूम रोज को इस काम के लिए नियुक्त किया था।' लेकिन यह रहस्य छिपा नहीं रह सका। वैसे तो वायसराय लार्ड डैफरिन के समय ही इसकी चर्चा होने लगी थी। वायसराय ने चुप रहना ही श्रेयस्कर समझा। कांग्रेस तो अपना पहला अध्यक्ष भी एक अंग्रेज को ही बनाना चाहती थी जो उस समय बम्बई के राज्यपाल थे। लेकिन लार्ड डैफरिन को लगा कि इससे तो साफ ही हो जाएगा कि कांग्रेस स्थापना की योजना ब्रिटिश सरकार की ही थी। तब विवशता में कांग्रेस को 1885 में अपना प्रथम अध्यक्ष बंगाल के व्योमेश चन्द्र बनर्जी को बनाना पड़ा। जब 1885 में कांग्रेस ने अपना प्रथम सम्मेलन बुलाने का निर्णय किया तो जाहिर है कि कहीं कहीं यह चर्चा भी चल पड़ी होगी की यह कांग्रेस (सम्मेलन) अंग्रेज सरकार के खिलाफ बुलाया जा रहा है। निश्चय ही इससे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन और सम्मेलन बुलाने वालों की चिन्ता बढ़ गई होगी कि शुरुआत ही गलत हो गई तो बहुत नुकसान हो जाएगा। यही कारण था कि इस अधिवेशन का अधिकांश समय भारत में ब्रिटिश सरकार का गुणगान करने और इंग्लैंड की महारानी के भारत में शासन को वरदान बताने में लगाया गया। भारतीयों के मन से यह गलतफहमी दूर करने का हर प्रयास किया गया कि कांग्रेस अंग्रेज विरोधी है। इसलिए बनर्जी बाबू के प्रथम अध्यक्षीय भाषण के लम्बे हिस्से को अक्षरशः उद्धृत करना जरूरी है। कांग्रेस के उद्देश्य स्पष्ट करने के बाद बनर्जी बाबू ने कहा, 'हमारे उद्देश्य में कहीं भी ऐसा नहीं है जिसे देखकर कोई कह सके कि हमारी कांग्रेस अंग्रेज सरकार के खिलाफ योजना बनाने वालों का जमावड़ा है। बल्कि इस अधिवेशन में सब के विचार सुन कर अब तक सब को स्पष्ट हो गया होगा कि हम से ज्यादा ब्रिटिश सरकार का शुभचिन्तक और भक्त कोई हो ही नहीं सकता। हम तो इंग्लैंड के संविधान के आभारी हैं कि उसने हमें बोलने की आजादी दी। ब्रिटेन ने हमारे देश के लिए इतना कुछ किया है कि हम उसे कभी भूल नहीं सकते। सबसे बढ़ कर भारत में स्थापित ब्रिटिश सरकार ने हमें अपने ढंग की पश्चिमी शिक्षा दी। जैसे जैसे इस शिक्षा का प्रसार होगा, वैसे वैसे हमारी इच्छा बढ़ती जाएगी कि यूरोप के तौर तरीके से हम भी आगे बढ़ें। बस हमारी तो मात्र इतनी तमन्ना है कि सरकार में हमें भी कुछ भागीदारी दी जाए।' लाला लाजपत राय ने इस संबंध में कांग्रेस के संस्थापक सर हयूम रोज (जो ब्रिटिश सरकार में भारत मामलों का मंत्री रह चुका था) और आकलैंड कोल्बिन (जो उस समय उत्तर प्रदेश का गवर्नर था) के कांग्रेस को लेकर हुए पत्र व्यवहार को आधार बना कर निष्कर्ष निकाला था कि, 'हयूम रोज ने भारत में अंग्रेज सरकार के लिए बढ़ते खतरों को देख लिया था। वह समझ गया था कि भीतर ही भीतर अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है। इसलिए कांग्रेस स्थापना का उसका मुख्य उद्देश्य अंग्रेज सरकार को इन खतरों से बचाना था। इसके लिए सेफ्टी वाल्व की जरूरत थी और वह सेफ्टी वाल्व कांग्रेस ही हो सकती थी।' लाला लाजपत राय ने यह सब कुछ देखा और समझा था। उन्होंने बहुत ही संक्षेप में कांग्रेस का सार तत्व प्रस्तुत किया। 'कुल मिला कर यह कांग्रेस थी।

आप का नज़रिया

हिमाचल का भौगोलिक

पूर्व में मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार ने पुनः धर्मशाला में हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना का मुद्दा रखा है। पिछले चार दशकों से यह मुद्दा गाहे बगाहे सामने आता है, जबकि किसी भी सरकार ने इसे अंजाम तक नहीं पहुंचाया। इस दौरान अदालतों का प्रसार हुआ है। कांगड़ा जिला में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालयों का दर्जा पालमपुर, नूरपुर और देहरा में मिला है। न्याय की परिभाषा में यह तस्वीर उस वक्त पूरी होगी जब हाई कोर्ट की एक पीठ धर्मशाला में स्थापित होगी। इस विषय का संबंध प्रादेशिक राजधानी शिमला से शिफ्ट हो रहे कार्यालयों से है और न्याय के मजमूनों से भी है। इसी तरह की एक अपेक्षा प्रशासनिक जिलों के संबंध में भी है और इसका प्रमुख निशाना भी कांगड़ा ही है, जहां पालमपुर, देहरा व नूरपुर को जिला बनाने की मांग उठती रहती है। अभी हाल ही में नूरपुर और देहरा को पुलिस जिला बनाने से नए जिलों के कयास बढ़े हैं। जाहिर है हिमाचल में संगठनात्मक तौर पर अदालतों और जिलों का पुनगर्ठन करने की दिशा में आगे बढक़र कम से कम एक जिला बढ़ाया जा सकता है। हमारा मानना है कि हर जिला के छह विधानसभा क्षेत्र होने चाहिएं। इस तरह दो कबाइली जिलों को छोडक़र बाकी ग्यारह जिले छह-छह विधानसभा क्षेत्रों के साथ महत्त्वपूर्ण इकाई साबित होंगे। हिमाचल के कई विधानसभा क्षेत्र आपस में मीलों दूर साबित होते हैं। मसलन नयनादेव, दरंग या जसवां-परागपुर विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक दूरी को मापना आसान नहीं है। यही भौगोलिक दूरी अदालतों के पुनर्गठन की जरूरत पैदा करती है। मसलन हाई कोर्ट का दरवाजा शिमला में खुलता है, जबकि न्याय की जरूरतें चंबा, कांगड़ा, ऊना व मंडी के कुछ क्षेत्रों में पैदा होती हैं। अगर धर्मशाला के केंद्र में हाई कोर्ट की बेंच स्थापित होती है, तो न्यायिक राहत पाने की बेडियां टूटेंगी। वैसे भी विधानसभा के शीतकालीन सत्र ने जिस तरह क्षेत्रीय प्रश्नों की मिट्टी धर्मशाला में खोजी है, उसी तरह न्याय की जमीन यहां से सशक्त होगी। हिमाचल की जरूरतें कल अगर पूरी की गईं, तो आज उससे भिन्न हैं। भौगोलिक दृष्टि से योजनाओं, परियोजनाओं तथा विभागीय गुणवत्ता दर्ज करने के लिए दफ्तरों का स्थानांतरण, कलस्टर प्लानिंग तथा शहरी एवं ग्रामीण विकास का नजरिया बदलना होगा। दो-तीन शहरों को मिलाकर परिवहन की योजनाएं बनें या इनके मध्य स्थल पर कॉमन सब्जी मंडी, कॉमन अदालत परिसर तथा कर्मचारी नगर बसाए जाएं, तो हिमाचल का सही पुनर्गठन होगा। विडंबना यह है कि प्रशासनिक फैसलों पर भी राजनीति हावी रहती है। इससे सरकारी ढांचे के नतीजे बेहतर नहीं आते। उदाहरण के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम के तीन दर्जन के करीब बस डिपो बना देने का फायदा हिमाचल के परिवहन को नहीं मिला। अब अगर इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति डीजल बसों के विकल्प के रूप में हो रही है, तो पांच नए बस डिपो जोड़े जा रहे हैं। जोगिंद्र नगर, बैजनाथ, पालमपुर, नगरोटा और धर्मशाला में बस डिपो की संख्या और दूरी का आकलन किया होता तो कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो की घोषणा नहीं होती। प्रदेश में ढांचागत परिवर्तन के लिए प्रशासन की साझी विरासत चाहिए। हर जगह एक जैसी भूमिका में राजनीतिक विस्तार तो संभव है, लेकिन राजनीतिक जरूरतों में प्रशासनिक विस्तार से परिणाम की बेहतरी नहीं होती। बेशक हिमाचल के सीमांत क्षेत्रों की मांग अलग है, मध्यम क्षेत्र की जरूरतें अलग हैं और ऊंचे क्षेत्रों की खूबियां अलग हैं। हिमाचल अंग्रेजी हुकूमत में अलग था, रियासतों में अलग था और आजादी के बाद अलग नजर आया, लेकिन अब बेहतर शासन-प्रशासन की दृष्टि से होना चाहिए।

> कांगड़ा जिला में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालयों का दर्जा पालमपुर, नूरपुर और देहरा में मिला है। न्याय की परिभाषा में यह तस्वीर उस वक्त पूरी होगी जब हाई कोर्ट की एक पीठ धर्मशाला में स्थापित होगी। इस विषय का संबंध प्रादेशिक राजधानी शिमला से शिफ्ट हो रहे कार्यालयों से है और न्याय के मजमूनों से भी है। इसी तरह की एक अपेक्षा प्रशासनिक जिलों के संबंध में भी है और इसका प्रमुख निशाना भी कांगड़ा ही है, जहां पालमपुर, देहरा व नूरपुर को जिला बनाने की मांग उठती रहती है। अभी हाल ही में नूरपुर और देहरा को पुलिस जिला बनाने से नए जिलों के कयास बढ़े हैं। जाहिर है हिमाचल में संगठनात्मक तौर पर अदालतों और जिलों का पुनगर्ठन करने की दिशा में आगे बढक़र कम से कम एक जिला बढ़ाया जा सकता है। हमारा मानना है कि हर जिला के छह विधानसभा क्षेत्र होने चाहिएं। इस तरह दो कबाइली जिलों को छोडक़र बाकी ग्यारह जिले छह-छह विधानसभा क्षेत्रों के साथ महत्त्वपूर्ण इकाई साबित होंगे। हिमाचल के कई विधानसभा क्षेत्र आपस में मीलों दूर साबित होते हैं। मसलन नयनादेव, दरंग या जसवां-परागपुर विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक दूरी को मापना आसान नहीं है। यही भौगोलिक दूरी अदालतों के पुनर्गठन की जरूरत पैदा करती है। मसलन हाई कोर्ट का दरवाजा शिमला में खुलता है, जबकि न्याय की जरूरतें चंबा, कांगड़ा, ऊना व मंडी के कुछ क्षेत्रों में पैदा होती हैं

दृष्टि कोण

2036 ओलंपिक के लिए प्रदेश का विजन कैसा हो

भारत 2036 के ओलंपिक व 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद के लिए पक्का कर चुका है और 2036 ओलंपिक भी भारत को ही मिलने की पूरी संभावना है। ऐसे में देश के खिलाडियों का इन खेलों में पदक विजेता प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश जहां यूरोप व अमरीका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान हो। क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिया प्रशिक्षण स्थल है मगर यहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है- विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्व पटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल

विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा, तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी कभी अच्छे परिणाम देने वाला हिमाचल प्रदेश, राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है।

आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ भारत-ए की कप्तानी करेंगी यस्तिका और अनुष्का

मुम्बई

यस्तिका भाटिया आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय और चार दिवसीय सीरीज में भारतीय ए टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं टी 20 टीम की कमान अनुष्का शर्मा को सौंपी गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आस्ट्रेलिया-ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम भारत-ए टीम की घोषणा के दौरान ही यस्तिका और अनुष्का को कप्तान बनाने की भी घोषणा की। इस महत्वपूर्ण दौरे पर भारत-ए की कमान दो युवा और प्रतिभाशाली चयन समित के इस फैसले से साफ है कि वह टीम में युवा नेतृत्व तैयर कर रहा है जो आने वाले समय में टीम की जिम्मेदारी उठा सके। इसी के तहत ही चयन समिति ने सयाली सतघरे को टी-20 प्रारूप के लिए उपकप्तान बनाया है। वहीं एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में अनुष्का शर्मा को उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी। यह व्यवस्था खिलाड़ियों को विभिन्न प्रारूपों में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे भविष्य के लिए एक मजबूत और बहुमुखी नेतृत्व समूह तैयार हो सके। आस्ट्रेलिया एक क यह भारत दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें भारतीय महिला क्रिकेट के लिए कई रोमांचक मुकाबले शामिल हैं। कुल मिलाकर, दौरे में तीन टी-20 मुकाबले, तीन एकदिवसीय मैच और एक चार दिवसीय मैच शामिल है, जो खिलाड़ियों के विभिन्न कौशलों और शारीरिक फिटनेस की परीक्षा लेंगे। इस दौरे के टी-20 मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे, जो युवा खिलाड़ियों के लिए एक नया अनुभव होगा। वहीं एकदिवसीय मुकाबलों की मेजबानी मोहाली का प्रसिद्ध पीसीए स्टेडियम करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए जाना जाता है। एकमात्र चार दिवसीय मुकाबला हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में खेला जाएगा। टी-20 सीरीज 12 सितंबर को शुरु होगी। जिसके बाद 15 और 17 सितंबर को अगले दो मैच न्यू चंडीगढ़ में ही खेले जाएंगे। 20, 23 और 25 सितंबर को एकदिवसीय सीरीज के रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगेअंत में, दौरे का समापन 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक धर्मशाला में होने वाले चार दिवसीय मैच के साथ होगा

टीम इस प्रकार हैं :

टी-20 के लिए भारत ए टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

चारदिवसीय मैच की टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानानंद ने रचा इतिहास, ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय बने

सेंट लुइस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने फैबियानो करूआना को हराकर ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल के आखिरी दिन प्रज्ञानानंद छह अंकों के बड़े अंतर से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए दोनों रैपिड बाजियां जीत लीं। इसके बाद ब्लिट्ज में दबाव भरे मुकाबले के बावजूद बढ़त कायम रखते हुए 15-13 के स्कोर से खिताब अपने नाम किया। यह प्रज्ञानानंद के करियर का अब तक का सबसे बड़ा खिताब है। इस जीत के साथ उन्हें दो लाख अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि मिली। करूआना ने क्लासिकल मुकाबलों के बाद छह अंकों की बढ़त बना रखी थी। प्रज्ञानानंद ने हालांकि रैपिड और ब्लिट्ज में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने पहले क्लासिकल मुकाबले में 0-6 से हार झेली, जबकि दूसरा मुकाबला 3-3 से ड्रा रहा। इसके बाद उन्होंने दोनों रैपिड मुकाबले जीतकर बढ़त हासिल की और चार ब्लिट्ज बाजियों में उसे बरकरार रखा। खिताबी जीत के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा कि वह इस खिताब को जीतकर खुश हैं। उन्होंने ग्रैंड चेस टूर को विश्व चैंपियनशिप के बाद परंपरा के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक बताया।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन पाक गेंदबाज हावी रहे, मेजबानों ने 248 रनों पर ही 9 विकेट गंवाए

लार्ड्स। मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद अली की शानदार गेंदबाजी से पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। इससे मेजबान इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 248 रन ही बना पाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय गस एटकिंसन 34 रन और जोश टंग 1 रन पर खेल रहे थे। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने पहले दिन सधी हुई गेंदबाजी कर मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया। मोहम्मद अब्बास ने कुल 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसके अलावा मोहम्मद अली ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए और विरोधी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। खुर्रम शहजाद को भी एक विकेट मिला। पाक टीम अपनी रणनीति में सफल रहा और इंग्लैंड को एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ने से रोक दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल जार्डन काक्स और जेमी स्मिथ ही कुछहदक तक बल्लेबाजी कर पाये। स्मिथ ने 80 गेंदों में 61 रन बनाए, जबकि जार्डन काक्स ने 105 गेंदों में 55 रन बनाये।

ला लीगा में बार्सिलोना ने अपना दूसरा मैच भी जीता, बिलबाओ को 2-0 से हराया, राफिन्हा और लोपेज ने दागे गोल

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना ने इस बार ला लीगा फुटबाल सत्र की अच्छी शुरुआत करते हुए अपना दूसरा मुकाबला भी जीत लिया है। बार्सिलोना ने अपने दूसरे मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराय। इस जीत में राफिन्हा और फर्मिन लोपेज की अहम भूमिका रही है। इन दोनो ने ही एक-एक गोलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे टीम को 3 महत्वपूर्ण तीन अंक मिले। राफिन्हा ने मैच के 37वें मिनट में पेड्री के एक बेहतरीन मूव पर टीम के लिए पहला गोल किया। बार्सिलोना की टीम पूरे समय खेल पर हावी रही। वहीं एथलेटिक बिलबाओ का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह एक भी गोल नहीं कर पायी। बार्सिलोनो के लामिन यमल ने बिलबाओ पर एक के बाद एक हमले किये हालांकि वह उन्हें गोल में बदल नहीं पाये। बिलबाओ के गोलकीपर उनाई साइमन ने कई गोल रोके पर 82वें मिनट में बार्सिलोना के फर्मिन लोपेज के गोल को वह नहीं रोक पाये। इससे बार्सिलोना की बढ़त 2-0 हो गई और उनकी जीत पक्की हो गयी। एक अन्य मुकाबले में सेल्टा विगो को ओसासुना के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत के बाद भी हार का सामन करना पड़ा। सेल्टा को इयागो एस्पस ने शुरुआती गोल करके बढ़त दिलाई पर दूसरे हाफ में मैच पलट गया। डिफेंडर मार्कोस अलोंसो को खतरनाक फाउल के लिए वीएआर जांच के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

खेलों से विकसित होता है अनुशासन व आत्मविश्वास : प्रो. एस के काबिया

बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों का दमखम, खिताब के लिए भिड़ेंगे विजेता

राष्ट्रीय खेल दिवस पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरू, महिला-पुरुष वर्ग में हुए रोमांचक मुकाबले

झांसी

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद शारीरिक शिक्षा विभाग में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के तहत बैडमिंटन मुकाबले हुए। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने कोर्ट पर जमकर पसीना बहाया और जीत के लिए शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शनिवार को होंगे।

प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सुनील कुमार काबिया रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के साथ मेजर ध्यानचंद के खेल जीवन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करने का अवसर भी देता है। खिलाड़ियों को परिणाम की चिंता किए बिना पूरी खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहिए।

इस दौरान डा. कन्हैयालाल सोनकर, डा. स्वप्ना सक्सेना, डा. विनोद बौद्ध, डा. यज्ञपाल सिंह, डा. रोहित तिवारी, मिस प्रीति श्रीवास और कुण्डेश्वर बाबू मौजूद रहे। प्रतियोगिता के संयोजक डा. ज्ञान अरजरिया और डा. कृष्णा पांडेय रहे। मंच संचालन आरती वर्मा ने किया। देव कुमार, दिशा राजा, अनामिका गौर, सत्येंद्र साहू, शिवम, विष्णु और पारस ने आफिशियल एवं निर्णायक की भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में रीवा, अनामिका और काव्या ने मारी बाजी

बैडमिंटन के महिला वर्ग में पहला मुकाबला बीपीएड की रीवा और बीएससी की स्नेहा के बीच हुआ। रीवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्नेहा को 15-5 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में बीपीएड की अनामिका ने दिशा को 15-10 से हराया।

तीसरे मुकाबले में बीपीएड की जोया और बीपीईएस की काव्या आमने-सामने रहीं। कड़े मुकाबले में काव्या ने जोया को 15-11 से शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में नौसाद का दबदबा पुरुष वर्ग के मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। पहले मुकाबले में बीपीएड के नौसाद खान ने बीपीईएस के शौर्य को 15-1 से हराया। इसके बाद विष्णु ने दीपांशु को 15-7 से पराजित किया। पारस और लकी के बीच हुए मुकाबले में लकी ने 15-9 से जीत दर्ज की।

बीसीए के कृष्णा टंडन और प्रतीक के बीच हुए मुकाबले में प्रतीक ने 15-10 से बाजी मारी। अंतिम मुकाबले में शिवम ने बाबू राजा को 15-7 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

शनिवार को होंगे सेमीफाइनल और फाइनल

सभी मुकाबले सफलतापूर्वक संपन्न हुए। अब शनिवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। खिताबी मुकाबले को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह है।

मेजर ध्यानचंद का जीवन प्रेरणास्रोत : डा. बाबेले

विभागाध्यक्ष डा. राजीव बाबेले ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन अनुशासन, नियमित अभ्यास और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

पीएमओ की ओलंपिक पोस्ट पर विनेश ने उठाये सवाल

चंडीगढ़

महिला पहलवान विनेश फोगाट ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी ओलंपिक पोस्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। पोस्ट में ओलंपिक प्रदर्शन और पदक तालिका में सुधार को लेकर बातें कही गयी हैं। इसके बाद विनेश ने कहा कि खेल महासंघों में जब तक राजनीतिक हस्तक्षेप रहेगा तब तक पदक तालिका में सुधार कैसे हो सकता है। इसके साथ ही विनेश ने महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाये हैं।

महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा का मामला उठाया

इससे पहल प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें भारत के ओलंपिक प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया था। पोस्ट में कहा गया था कि ओलंपिक में कई तरह के खेल शामिल होते हैं पर भारत की भागीदारी उनमें से आधे से भी कम खेलों में ही है। इससे भारतीय खिलाड़ी पदक तालिका में भी काफी पीछे रहते हैं। इसी को लेकर पीएमओ ने कहा कि अगर भारत को ओलंपिक में पदकों की संख्या बढ़ानी है, तो उसे नए और अधिक खेलों में भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ उनमें बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देना होगा। इसी पर पलटवार करते हुए विनेश ने प्रधानमंत्री से ही सवाल किया और पूछा, खिलाड़ी उन प्रतियोगिताओं में कैसे भाग ले पाएंगे, जहां महासंघों में आपकी पार्टी से जुड़े ऐसे लोग मौजूद हैं, जिन पर गंभीर आरोप लगे हैं विनेश ने इसके साथ ही महिला खिलाड़ियों के कथित यौन उत्पीड़न का मामला भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे व्यक्तियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है, जिससे वे इस प्रकार की हरकतें करते रहते हैं।

विनेश की ये प्रतिक्रिया भारतीय कुश्ती महासंघ से जुड़े मामले को लेकर हैं। जिसमें उन्होंने और कई अन्य महिला पहलवानों ने तब कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषणा के आरोप लगाये थे।

स्वीटजरलैंड में डायमंड लीग एथलेटिक्स

स्वीटजरलैंड में डायमंड लीग एथलेटिक्स में स्थानीय एथलीट एड्री वेरो ने महिलाओं की 800 मीटर रेस में जीत हासिल की।

इमरान के बेटे बोले, सैनिक तानाशाही के डर से उनके पिता का खुलकर समर्थन नहीं कर रहे पाक क्रिकेटर

लंदन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान ने एक साक्षात्कार में कहा है कि सैनिक शासन के डर से पाकिस्तानी क्रिकेटर उनके पिता का समर्थन नहीं कर पा रहे हैं। वहीं इससे पहले कई लोगों ने इस मामले में पाक क्रिकेटरों की चुप्पी पर सवाल उठाये थे।

गौरतलब है कि इमरान खान की रिहाई और उन्हें उचित चिकित्सा सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए दुनिया भर के कई पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने एक हस्ताक्षर अभियान चलाया है। इस अभियान में भारत के कई पूर्व दिग्गज कप्तान, जो इमरान खान के साथ खेल चुके हैं, सहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बिरादरी के बड़े नाम शामिल हुए हैं। इन सभी ने पाक सरकार से मानवाधिकारों और मानवीय आधार पर इमरान को बेहतर सुविधाएँ देने का अनुरोध किया है। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय समर्थन के बावजूद, यह बेहद निराशाजनक और चिंताजनक रहा कि पाक के ही पूर्व कप्तान और महान खिलाड़ी इस सूची से पूरी तरह नदारद रहे, जिस पर कासिम और सुलेमान ने अपनी गहरी निराशा व्यक्त की।

आर्थटन ने कासिम और सुलेमान से सीधे यह तीखा सवाल पूछा कि जब दुनिया भर के कई पूर्व कप्तान आपके पिता के समर्थन में आगे आए हैं और उन्होंने पाकिस्तान सरकार से उनकी रिहाई व बेहतर इलाज के लिए अनुरोध किया है, तो उस सूची में पाकिस्तान के कुछ महान क्रिकेटरों के हस्ताक्षर क्यों नहीं हैं इस पर आप क्या कहेंगे, और उनके समर्थन न करने की क्या वजह हो सकती है

इसके जवाब में सुलेमान और कासिम ने कहा, आप (आर्थटन) खुद उन पूर्व कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने मेरे पिता के समर्थन में हस्ताक्षर किए हैं, और हम इस कदम की बहुत सराहना करते हैं पर मैं पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों की स्थिति को समझता हूँ। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, मुझे पता है कि उनमें से बहुत से लोग मेरे पिता का बेहद सम्मान करते हैं, लेकिन जिस व्यवस्था में वे रह रहे हैं, वह एक सैन्य तानाशाही जैसी स्थिति है। बेटों ने बताया कि ऐसे माहौल में उनके लिए खुलकर अपनी राय रखना या किसी भी तरह का विरोध जताना बेहद मुश्किल है, क्योंकि ऐसा करने पर उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

यह बयान पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राजनीतिक माहौल पर गहरा प्रकाश डालता है, जहाँ प्रभावशाली व्यक्तियों को भी सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ बोलने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 2026 डायमंड लीग के फाइनल में जगह बना ली है। सीजन का फाइनल 4 और 5 सितंबर को ब्रसेल्स में आयोजित होगा।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने इस सत्र में डायमंड लीग के दो चरणों में हिस्सा लिया। उन्होंने 19 जून को दोहा चरण में 85.69 मीटर के प्रयास के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। इसके बाद 21 अगस्त को लाजेन चरण में 88.05 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

नीरज 27 अगस्त को ज्यूरिख चरण में नहीं उतरे, जहां पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी कार्यक्रम में शामिल थी। हालांकि, लाजेन में उनके प्रदर्शन ने फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त अंक दिलाए।

नीरज ने इस सत्र में ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भी 85.83 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था।

ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल से पहले श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिरागे भाला फेंक की अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। उन्होंने ज्यूरिख चरण में 92.07 मीटर के शानदार प्रयास के साथ जीत दर्ज की। एंडरसन पीटर्स, केशोर्न वालकाट और कर्टिस थाम्पसन भी खिताब के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

नीरज की नजरें अपने दूसरे डायमंड ट्राफी खिताब पर होंगी। उन्होंने 2022 में डायमंड लीग का खिताब जीता था और इसके बाद तीन बार उपविजेता रहे हैं।

ऐसे मिलते हैं डायमंड लीग में अंक – डायमंड लीग में मई से सितंबर तक 14 चरण होते हैं। प्रत्येक स्पर्धा में शीर्ष आठ खिलाड़ियों को क्रमश: 8, 7, 6, 5, 4, 3, 2 और 1 अंक मिलते हैं।

नीरज ने दोहा में चौथे स्थान के लिए सात और लाजेन में दूसरे स्थान के लिए पांच अंक हासिल किए, जिससे उनके कुल 12 अंक हो गए।

केन्या के जूलियस येगो ज्यूरिख चरण से पहले नौ अंकों पर थे। ज्यूरिख में 81.66 मीटर के प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहने के बाद उनके 13 अंक हो गए और उन्होंने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रा रहने पर कोच और कप्तान पर तंज कसा

कोलंबो। अपने बेबाक बयानों के कारण विवादों में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रा होने पर तंज कसते हुए कहा कि श्रीलंकाई बल्लेबाज सोनल दिनुशा के लिए तालियां बजानी चाहिये। उन्होंने श्रीलंकाई टीम को फालोआन के लिए मजबूर करने के बाद भी जीत हासिल नहीं कर पाने पर निराशा जताते हुए टीम की रणनीति पर ही सवाल उठाये हैं। इस प्रकार उनके निशाने पर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 509 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी, जो एक मजबूत स्कोर था। इसके जवाब में श्रीलंका अपनी पहली पारी में केवल 290 रन ही बना पायी थी जिससे भारतीय टीम को 200 रनों से अधिक की बढ़त मिली थी पर वह उसका लाभ नहीं उठा पायी। गौरतलब है कि फालोआन देना वाली टीम की जीत तय मानी जाती है पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया। इसका कारण है कि फालोआन खेलने वाली टीम दबाव में रहती है। हालांकि, कोलंबो टेस्ट में यह धारणा गलत साबित हुई। मैच ड्रा होने के बाद मांजरेकर ने कह, मैच नहीं जीत पाने के लिए कोई भी भारतीय टीम पर सवाल नहीं उठा सकता क्योंकि सोनल ने बल्लेबाजी ही ऐसी की थी, उनके लिए तालियां बनती हैं। मांजरेकर का यह ट्वीट भारतीय टीम की उस रणनीति पर सवाल उठाता है, जिसके तहत वे एक बड़ी बढ़त और फालोआन के बावजूद जीत हासिल नहीं कर पाए। श्रीलंकाई युवा बल्लेबाज सोनल ने इस मैच में एक छोर संभालते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सोनल ने अपनी टीम के लिए पहली पारी में 103 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को 290 रनों तक पहुंचाया।

तीन वर्षों में 1,704% बढ़ा तेलंगाना का संगठित अपराध : 25 से बढ़कर 451 पहुंचे मामले

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में संगठित अपराध के मामलों में बीते तीन वर्षों में 1,704 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद द्वारा समीक्षा किए गए आंकड़ों के अनुसार, राज्य में गंभीर अपराधों में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आने के बावजूद संगठित अपराध के मामले 2023-24 में केवल 25 से बढ़कर 2025-26 में 451 हो गए हैं।

डीजीपी कार्यालय में आयोजित अर्धवार्षिक अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर अपराध के कारणों, कार्यप्रणाली और जांच की गुणवत्ता का गहन विश्लेषण करने का निर्देश दिया। आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में कुल अपराध 2023-24 के 2,84,363 मामलों की तुलना में 7.15 प्रतिशत बढ़कर 2025-26 में 2,84,363 हो गए, जिससे प्रति लाख आबादी पर अपराध दर 481.58 से बढ़कर 491.59 हो गई है।

गंभीर, साइबर और वित्तीय अपराधों में आई गिरावट

समीक्षा में सामने आया कि गंभीर अपराध 2024-25 के 7,019 मामलों से 10.33 प्रतिशत घटकर 2025-26 में 6,294 रह गए हैं। हैदराबाद में गंभीर अपराधों में 26.23 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। वहीं, साइबर अपराधों में 13.29 प्रतिशत (25,373 से घटकर 22,000) और वित्तीय अपराधों में 13.28 प्रतिशत (37,690 से घटकर 32,684) की कमी आई है, जिसे पुलिस नेतृत्व ने एक सकारात्मक बदलाव माना है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी साल-दर-साल 1.54 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई है।

ड्रग्स, गैर-गंभीर और ट्रैफिक मामलों में उछाल

दूसरी ओर, नशीले पदार्थों के मामले 46.10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,026 से बढ़कर 2,960 तक पहुंच गए हैं। इस श्रेणी में वारंगल (142.31%) और साइबराबाद (90.98%) में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई। इसके अतिरिक्त, गैर-गंभीर अपराधों में 7.28 प्रतिशत और यातायात संबंधी अपराधों में 9.48 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले में यातायात अपराधों में रिकॉर्ड 624.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

डीजीपी सी.वी. आनंद ने 'क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स' पर डेटा अपडेटिंग के स्तर को 70-80% से बढ़ाकर 96% तक पहुंचाने के लिए पुलिस बल की सराहना की। बैठक के दौरान एआई-आधारित पुलिसिंग ऐप्स, टीजी-कॉप, हॉक-आई और नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर प्रस्तुतियां भी दी गईं।

मूल पुलिसिंग और फील्ड निरीक्षण पर जोर

डीजीपी ने सभी पुलिस इकाइयों के लिए मासिक अपराध समीक्षा बैठकों को अनिवार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेहतर अपराध नियंत्रण के लिए बुनियादी पुलिसिंग प्रक्रियाओं का पालन, समय पर डेटा विश्लेषण, तकनीक-संचालित हस्तक्षेप और निरंतर फील्ड-स्तरीय पर्यवेक्षण अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) महेश भागवत, सीआईडी निदेशक शिखा गोयल, महिला सुरक्षा एवं सीआईडी निदेशक चारू सिन्हा, ईगल निदेशक संदीप शांडिल्य सहित सभी पुलिस आयुक्त एवं जिला एसपी उपस्थित थे।

रक्षा बंधन के अवसर पर ध्रुव के विवाह के प्रथम रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में प्रेमलता गुप्ता, अनीता अग्रवाल एवं शशि कांत अग्रवाल ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर परिवार में रक्षाबंधन पर्व को लेकर विशेष उत्साह एवं उल्लास का वातावरण रहा। समारोह के दौरान सुख मोहन अग्रवाल एवं सत्यम अग्रवाल ने अपनी बहनों श्याम लता, सुमन लता एवं मधु लता से राखी बंधवाई। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुखी, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर परिवार के प्रेम लता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, विवान अग्रवाल, रूपा अग्रवाल, नीता अग्रवाल, एकता अग्रवाल, फागुनी सहित अन्य परिजन उपस्थित रहे। परिवारजनों ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं।

साई एन्क्लेव, तिरुमलगिरी में राठौड़ परिवार द्वारा रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का संदेश दिया

विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ का रक्षाबंधन खजुलैया मिलन समारोह कल

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा रविवार, 30 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन खजुलैया मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह समारोह संतोषी माता ओंकारेश्वर मंदिर, मुस्लिम जंग पुल, बेगम बाजार में शाम 6 बजे से आयोजित होगा। संघ की ओर से आयोजित इस समारोह में विंध्य क्षेत्रवासियों के बीच खजुलैया आदान-प्रदान कार्यक्रम होगा। इसके साथ ही विंध्य क्षेत्र की पारंपरिक कजरी लोकगीत गायन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

संघ प्रवक्ता प्रदीप कुमार पाण्डेय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में सभी स्वजातीय बंधुओं से समारोह में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया है। समारोह के माध्यम से विंध्य क्षेत्र की परंपरा, संस्कृति एवं आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा।

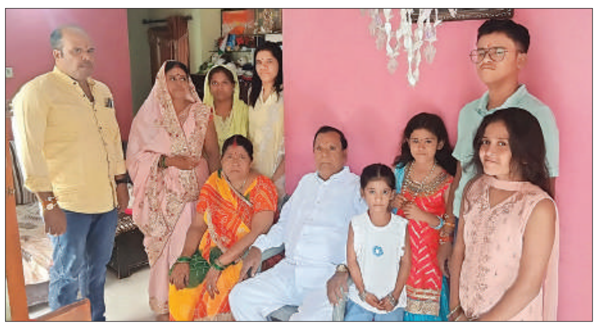

श्रावण मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह ने वनस्थलीपुरम के शारदा नगर स्थित अपने निवास पर परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास से मनाया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। इस अवसर पर श्रीमती मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, दीपिका सिंह, शीतल, सूर्याश, गायत्री, छवि एवं ध्रुवी सहित परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। परिवारजनों ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और पर्व की खुशियां साझा कीं।

विजय नगर कॉलोनी में शुक्रवार को रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुर ताराचंद, ठाकुर गंगा, ठाकुर स्वाति सहित परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का संदेश दिया।

सीएमआर चावल के बकाये पर सख्त कार्रवाई राइस मिल मालिक सहित दो पर मामला दर्ज

पेद्दापल्ली, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएमआर चावल की बकाया आपूर्ति के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्षा ने शुक्रवार को बताया कि मंथनी मंडल की पावना सुथा राइस मिल द्वारा खरीफ एवं रबी 2021-22 के दौरान सरकारी अनाज के बदले निर्धारित सीएमआर चावल की आपूर्ति नहीं किए जाने पर मिल मालिक सहित दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि रविकांति, मंथानी निवासी पवन कुमार के स्वामित्व वाली पावना सुथा राइस मिल को खरीफ एवं रबी 2021-22 के दौरान कुल 5,798.080 मीट्रिक टन अनाज दिया गया था। इसके बदले सरकार को 3,891.295 मीट्रिक टन सीएमआर चावल उपलब्ध कराया जाना था। हालांकि, मिल द्वारा अब तक एफसीआई/टीजी-एससीएससीएल को केवल 1,069.380 मीट्रिक टन सीएमआर चावल ही उपलब्ध कराया गया है, जबकि 2,821.915 मीट्रिक टन चावल अभी बकाया है।

उन्होंने बताया कि बकाया सीएमआर चावल 4,211.813 मीट्रिक टन समतुल्य अनाज के बराबर है, जिसका मूल्य 9,82,51,492 रुपये है। 25 प्रतिशत जुर्माने की राशि 2,45,62,873 रुपये सहित कुल बकाया राशि 12,28,14,365 रुपये निर्धारित की गई है। कलेक्टर के अनुसार, रबी 2021-22 के लिए पावना सुथा राइस मिल को आवंटित अनाज को मंथानी स्थित श्रीलक्ष्मी एमआरएम सुरैया पल्ली मिल में स्थानांतरित किया गया था। मामले की जांच के दौरान पीपीसी द्वारा प्रस्तुत ट्रक स्लिप और संयुक्त हस्ताक्षरों की जांच में श्रीलक्ष्मी एमआरएम सुरैया पल्ली के साझेदार वोल्लाल नवीन कुमार के हस्ताक्षर पाए गए। सरकारी अनाज की प्राप्ति एवं स्वीकृति से संबंधित ट्रक स्लिप में उनकी भूमिका को लेकर उनके खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

मुम्बई में विप्र फाउंडेशन द्वारा श्रावणी उपाकर्म आयोजित

मुम्बई, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्राह्मण समाज के वैश्विक संगठन विप्र फाउंडेशन मुम्बई चैप्टर, जोन-12 महाराष्ट्र एवं आध्यात्मिक उत्थान मंडल महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन विधि-विधान एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। श्रावण पूर्णिमा, विक्रम संवत 2083 के अवसर पर मलाड पूर्व स्थित रामभक्त हाईवे हनुमान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. आचार्य महेंद्र प्रताप जोशी के आचार्यत्व में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. सीए सुनील शर्मा, प्रसिद्ध कथावाचक एवं आध्यात्मिक संत स्वामी गौरदासजी सहित बड़ी संख्या में विप्र बंधु उपस्थित रहे।डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि सुबह 7 बजे संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, बोरीवली पूर्व में हेमाद्रि महासंकल्प, प्रायश्चित संकल्प, तीर्थ स्नान, संध्या उपस्थान तथा देव, ऋषि एवं पितृ तर्पण आदि धार्मिक विधियां संपन्न की गईं। इसके बाद सुबह 10:30 बजे से मंदिर परिसर में यज्ञोपवीत ऋषिपूजन, हवन, वेदाध्ययन, संहितापाठ, शतपथ ब्राह्मण पाठ, ऋषि वंशावली पाठ, सत्यनारायण कथा एवं रक्षाविधान किया गया। आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।दोपहर 1 बजे उपस्थित श्रद्धालुओं ने ऋषियों का पूजन एवं पितरों को जनेऊ समर्पित कर विधि-विधानपूर्वक नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

फ्लैश फ्लड...

बिजली परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। राहत और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में काम कर रहे हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को आपदा पर संवेदना संदेश भेजा है। उन्होंने इस मुश्किल समय में नेपाल के लोगों के प्रति दुख जताया।

शी की अध्यक्षता में हुई कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में भी आपदा को लेकर चर्चा हुई। बैठक में कहा गया कि यह इलाका बेहद ठंडा और ऊंचाई वाला है। यहां घाटियां बहुत खड़ी हैं। आसपास कई ग्लेशियर और ग्लेशियल झीलें हैं। मौसम भी तेजी से बदलता है। ऐसे हालात में राहत और बचाव अभियान चलाना काफी चुनौतीपूर्ण है।

चीन ने सभी संबंधित विभागों को प्रभावी तरीके से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। लापता चीनी और विदेशी नागरिकों की तलाश पर जोर दिया गया है। चीन ने नेपाल को आपातकालीन मदद देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बचाव अभियान में सहयोग करने की बात भी कही है।

नेपाल और चीन के अलावा अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की शुरुआती जांच में भी ग्लेशियर टूटने और मलबे के बहाव को बाढ़ की वजह माना गया है। वैज्ञानिक सैटेलाइट तस्वीरों और दूसरी जानकारियों की मदद से घटना को समझने में जुटे हैं।

फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती लापता लोगों की तलाश और प्रभावित इलाकों तक राहत पहुंचाना है। वहीं भोटेकोशी और दूसरी नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। अधिकारियों को आशंका है कि ऊंचाई वाले इलाकों में बने प्राकृतिक जलस्रोतों और मलबे के कारण आगे भी अचानक बाढ़ का खतरा बना रह सकता है।

400 कंटेनर ...

इनमें काम करने वाले कई लोग अब संपर्क में नहीं हैं। नेपाल ट्रक कंटेनर व्यवसायी संघ के अध्यक्ष अर्जुनबहादुर सापकोटा ने बताया कि 400 से ज्यादा चालक ही लापता हैं। उनके साथ सहचालक और दूसरे कर्मचारी भी थे। कई लोग अपने ही वाहन के मालिक और चालक के रूप में काम करते थे। इन लोगों से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।

सापकोटा के मुताबिक, सिर्फ ट्रक कर्मचारियों को गिनने पर ही संख्या काफी ज्यादा है। इसके अलावा सामान खरीदने गए व्यापारी, सीमा शुल्क एजेंट और दूसरे यात्री भी प्रभावित हुए हैं। इन सभी को जोड़ने पर लापता और फंसे लोगों की संख्या 1,000 से भी ज्यादा हो सकती है।

कई इलाकों के वाहन भी बाढ़ में फंसे

बाढ़ से सिर्फ रसुवा के कंटेनर ट्रक ही प्रभावित नहीं हुए हैं। दूसरे क्षेत्रों के परिवहन संगठनों के वाहन भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे हुए हैं। नारायणी, बल्खु और पोखरा-गंडकी समेत कई जगहों के वाहन इस आपदा की चपेट में आए हैं।

कारोबारियों का कहना है कि कई वाहनों और उनमें मौजूद लोगों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। ऐसे में नुकसान का सही आंकड़ा सामने आने में समय लग सकता है।

भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ ने कंटेनर कारोबार को बड़ा झटका दिया है। बड़ी संख्या में ट्रक बहने से कारोबारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ट्रकों में लदा सामान भी बाढ़ में बह गया या खराब हो गया है। कारोबारियों के लिए सबसे बड़ी चिंता लापता लोगों को लेकर है। उनके परिवार लगातार जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। राहत और बचाव दल प्रभावित इलाकों में लोगों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, बाढ़ के बाद कई जगहों पर हालात बेहद मुश्किल बने हुए हैं। फिलहाल प्रशासन और संबंधित संगठन लापता लोगों और वाहनों की जानकारी जुटाने में लगे हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है। कारोबारियों का कहना है कि बाढ़ से हुआ नुकसान अब तक का सबसे बड़ा नुकसान हो सकता है।

सिर्फ भारत पर...

विदेशी टीमों के बीच आपसी तालमेल की कमी और प्रतिस्पर्धा के कारण संकट कम होने के बजाय कई मामलों में और बढ़ गया था। इसी अनुभव को देखते हुए इस बार नेपाल कई स्वतंत्र विदेशी टीमों को संभालने के बजाय अपनी ही सुरक्षा एजेंसियों की कमान के तहत राहत एवं बचाव अभियान चलाना चाहता है।

भारत से मदद स्वीकार कर रहा नेपाल

हालांकि, नेपाल सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह राहत सामग्री, चिकित्सकीय आपूर्ति और वित्तीय योगदान स्वीकार कर रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, नेपाल ने भारत से राहत एवं बचाव कार्य के लिए मदद मांगी है।

ऐसे में भारत एक सुरंग बचाव दल भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए पहले एक टोही दल भेजा जा रहा है, ताकि जमीनी हालात और आवश्यक उपकरणों की जरूरत का आकलन किया जा सके। इसके साथ ही एक चिकित्सा दल भी भेजा जा रहा है। नेपाल में एक बेली पुल पहले से ही मौजूद है और तैनाती के लिए तैयार है।

भारत सरकार ने पड़ोसी प्रथम नीति के तहत वायु सेना के सी-130जे और सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों के जरिए 47.5 टन राहत सामग्री भेजी है। इसमें अस्थायी तंबू, कंबल, दवाएं, सौर ऊर्जा से चलने वाले दीपक और खाद्य पैकेट शामिल हैं। भारत ने टूटे हुए पुलों के स्थान पर घाटी पुल और पूर्वनिर्मित पुल उपलब्ध कराने की भी पेशकश की है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, नेपाल की ओर से जिस भी सहायता का अनुरोध किया जा रहा है, भारत उसी के मुताबिक तुरंत कदम उठा रहा है।

सहायता के लिए एकल द्वार प्रणाली लागू

नेपाल ने राहत सहायता को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए एकल द्वार प्रणाली लागू की है। सभी देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से वित्तीय सहायता केवल प्रधानमंत्री राहत कोषफ के माध्यम से देने की अपील की गई है, ताकि उपलब्ध संसाधनों का सही और समान वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक, 34 देशों के करीब 700 पर्यटक बाढ़ के बाद से संपर्क से बाहर हैं। इनमें कैलाश मानसरोवर और गोसाईकुंड की यात्रा पर गए करीब 300 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

विदेशी नागरिकों की जानकारी जुटाने और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक विशेष आपातकालीन प्रतिक्रिया दल का गठन किया है। रसुवा के तिमुरे में उप-सचिव स्तर के एक अधिकारी को तैनात किया गया है। यह अधिकारी सीधे सुरक्षा बलों से जमीनी जानकारी प्राप्त कर काठमांडू स्थित मुख्य समन्वय केंद्र को भेज रहे हैं।

कर्नाटक...

हालांकि, 3 अगस्त 2026 को उन्हें योजना और सांख्यिकी विभाग देकर दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। इसके बाद भाजपा और जेडी(एस) ने उनका इस्तीफा मांगते हुए सदन से लेकर सड़क तक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

दोनों विपक्षी दलों ने 1 से 10 सितंबर तक रायचूर से बल्लारी तक पदयात्रा निकालने की भी घोषणा की थी। अब बी. नागेंद्र ने हालात को समझते हुए खुद ही इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। नागेंद्र ने बताया कि वह मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात करेंगे और उनके साथ चर्चा करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपना इस्तीफा सौंपेंगे।

वाल्मीकि निगम घोटाले को लेकर विपक्ष के लगातार हमलों के बीच नागेंद्र के इस्तीफे के ऐलान से कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है।

एक ही परिवार...

बेटे की मौत की खबर मिलते ही उसके माता-पिता भारत अहिरवार और उमा अहिरवार गहरे सदमे में आ गए। बेटे की मौत के कुछ ही समय बाद दमोह कोतवाली थाना क्षेत्र के धरमपुरा फाटक के पास उमा अहिरवार और भारत अहिरवार भी ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना का कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। शुरुआती तौर पर इसे पारिवारिक विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

हालांकि, वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो पाएगी।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और जीआरपी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। कोतवाली थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

रक्षाबंधन के दिन एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 29 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

वीएएस कन्नन ने ईसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) का पद्भार संभाला

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
वी. ए. एस. कन्नन ने परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के अधीन अनुसूची मएफ मिनीरत्न श्रेणी-1 (सीपीएसई) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के निदेशक (कार्मिक) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है।

समृद्ध शैक्षणिक पृष्ठभूमि और वृहद अनुभव

श्री वी. ए. एस. कन्नन मानव संसाधन (एच आर) और औद्योगिक संबंधों (आईआर) के एक अनुभवी पेशेवर हैं, जिन्हें भारतीय जीवन बीमा निगम , निजी क्षेत्र के संगठनों, नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) तथा इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। उन्होंने पीएसजी संस्थानों से कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध (पीएम एवं आईआर) में स्नातकोत्तर डिग्री तथा कानून की डिग्री प्राप्त की है, जो उन्हें मानव संसाधन, औद्योगिक संबंध और श्रम कानून में एक मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान करती है।

एनएलसीआईएल और ईआईएल में उल्लेखनीय उपलब्धियां

श्री कन्नन ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत एलआईसी ऑफ इंडिया के साथ की थी। एनएलसीआईएल में अपने 13 वर्षों के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने खदानों, कारखानों और कॉर्पोरेट कार्यालय में एचआर तथा औद्योगिक संबंध कार्यों को संभाला। वे ट्रेड यूनियन और एसोसिएशन मामलों, औद्योगिक विवादों के निपटारे और लगभग 12,000 श्रमिकों वाले कई एसबीयू में फैले संगठन में पहली बार गुप्त मतदान चुनाव कराने की प्रक्रिया से निकटता से जुड़े रहे।

इसके बाद वे इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने वरिष्ठ एचआर पदों पर कार्य किया और रणनीतिक तथा परिचालन एचआर कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला से जुड़े रहे। उनकी जिम्मेदारियों में भर्ती, जनशक्ति नियोजन, एचआर नीति और नियमों का निर्माण, औद्योगिक संबंध तथा एचआर प्रशासन शामिल था। उन्होंने परियोजना और निर्माण स्थलों पर एचआर कार्यों की स्थापना और प्रबंधन भी किया तथा दक्षिणी क्षेत्र के लिए एचआर विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य किया। ईआईएल में अपने कार्यकाल के दौरान, वे कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को लागू करने जैसी एचआर पहलों से भी जुड़े रहे।

संगठन के भावी लक्ष्यों को मिलेगी मजबूती

अपने करियर के दौरान, श्री कन्नन ने मानव संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक संबंध, कर्मचारी संबंध, ट्रेड यूनियन प्रबंधन, भर्ती, जनशक्ति नियोजन, एचआर नीति निर्माण, श्रम संबंध एवं विवाद निवारण तथा प्रोजेक्ट/साइट एचआर प्रबंधन में व्यापक विशेषज्ञता विकसित की है।

कंपनी श्री वी. ए. एस. कन्नन के नेतृत्व और योगदान की ओर देख रही है, जो ईसीआईएल की मानव संसाधन क्षमताओं को और मजबूत करने तथा भारत की रणनीतिक एवं तकनीकी प्राथमिकताओं के समर्थन में इसके संगठनात्मक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज का श्रावण महोत्सव का कल होगा भव्य समापन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा प्रतिवर्ष श्रावण महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी श्रावण मास के चारों सोमवार को विधिवत पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, विभिन्न अलंकारों से अलंकृत श्रृंगार एवं फराली प्रसाद की व्यवस्था की गई।

श्रावण महोत्सव का समापन रविवार, 30 अगस्त 2026 को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य रूप से किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 10:31 बजे से रुद्राभिषेक प्रारंभ होगा। इसके पश्चात 11:45 बजे यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

दोपहर 1:21 बजे से संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन होगा। वहीं शाम 5:01 बजे महाआरती के बाद भोजन प्रसादी प्रारंभ होगी। हर सोमवार की भांति समापन कार्यक्रम के अवसर पर विशेष रूप से वनविहार के श्रृंगार से शिवालय को सजाया जाएगा।

इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण रहेगा। ायोजन समिति ने सभी स्वजातीय एवं धर्मप्रेमी भाइयों से सभी अनुष्ठानों में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने तथा धार्मिक आयोजनों में सहभागिता करने की अपील की है।

आज आयोजित बैठक में श्याम सुन्दर उपाध्याय, रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, लक्ष्मीनारायण व्यास, दामोदर तिवारी, जगदिशप्रसाद कोलरीया, जुगल किशोर उपाध्याय, दामोदर तिवारी, विष्णु उपाध्याय, बालकिशन व्यास, श्रीवल्लभ तिवारी, सुरेश पांडिया, गोतम उपाध्याय, किशोर उपाध्याय, गोपाल कृष्ण तिवारी, कन्हैयालाल व्यास, हरिकिशन ओझा, संदिप जायलवाल, सत्यनारायण तिवारी, विजय पांडिया, सुर्यप्रकाश नागला, रामेश्वरलाल जोशी, दिनेश व्यास एवं अन्य गणमान्य गण उपस्थित थे।

रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और संस्कारों का पावन पर्व : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रक्षाबंधन के विशेष अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्य के साथ-साथ रक्षाबंधन के महत्व और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते पर भी विचार व्यक्त किए गए।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर राखी बांधने और उसकी रक्षा का संकल्प लेने का पर्व नहीं है, बल्कि यह भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम, विश्वास, स्नेह, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। राखी का यह छोटा-सा धागा भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती और जीवनभर एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की भावना को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के रिश्ते को बहुत पवित्र और महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। रक्षाबंधन हमें यह संदेश देता है कि परिवार में प्रेम और आपसी विश्वास हमेशा बना रहना चाहिए। समय के साथ परिस्थितियां बदल सकती हैं, जीवन में कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो, लेकिन भाई-बहन के बीच स्नेह और अपनत्व का रिश्ता सदैव कायम रहना चाहिए। यही इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में भी प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। जब हम जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, भूखे व्यक्ति को भोजन कराते हैं और किसी के जीवन में खुशी लाने का प्रयास करते हैं, तो वही वास्तविक अर्थों में मानवता की सेवा होती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम इसी सेवा भावना का उदाहरण हैं। ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग, सद्भाव और मानवता की भावना को निरंतर मजबूत करना है। नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल है।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, नंद गोपाल, दत्ता हुलसुर, शुचि गुप्ता, गोपाल गोयल, सुरेश सिंघल, जय प्रकाश सारडा, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बंडारू ने ब्रह्म कुमारियों व सफाई कर्मियों संग मनाया रक्षाबंधन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रामनगर स्थित अपने निवास पर पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने महिला नेताओं, कार्यकर्ताओं, ब्रह्म कुमारियों तथा जीएचएमसी के पारिशुद्ध्य (सफाई) कर्मियों के साथ रक्षाबंधन के उत्सव में भाग लिया। इस अवसर पर श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहनों के बीच प्रेम, स्नेह और आपसी रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने महिला नेत-ाओं, कार्यकर्ताओं, ब्राह्म कुमारियों तथा सफाई कर्मियों के साथ मिलकर रक्षाबंधन मनाने को आनंददायक बताया और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति तथा स्वास्थ्य की कामना की। इस कार्यक्रम में भाजपा राज्य उपाध्यक्ष एवं हैदराबाद नगर की पूर्व मेयर श्रीमती बंदारू कार्तिक रेड्डी, भाजपा महिला मोर्चा सिकंदराबाद जिला अध्यक्ष श्रीमती केतिनेनी सरला, पूर्व कॉर्पोरेटर श्रीमती उमा रमेश यादव, भाजपा राष्ट्रीय नेता श्रीमती अरुणा ज्योति, श्रीमती मंत्री कलावती (पूर्व कॉर्पोरेटर), श्रीमती भैरी अमरावती, श्रीमती शोभा, श्रीमती माधवी, श्रीमती ज्योति सहित महिला मोर्चा की नेताएं, कार्यकर्ता, ब्राह्म कुमारियां तथा जीएचएमसी के सफाई कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

पंढरपुर में 12 सितंबर को सजेगा कुलदेवी बधर माताजी का भव्य दरबार

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सोमानी, मर्दा, छापरवाल, मक्कड़ सहित चौदह माहेश्वरी खापों की कुलदेवी बधर माताजी का भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम महाराष्ट्र की पावन नगरी पंढरपुर में 12 सितंबर, शनिवार को आयोजित होगा। इसकी जानकारी बधर माता आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सेवा ट्रस्ट, ताना गांव के सह-सचिव गोविन्द सोमानी ने दी।

कार्यक्रम के संयोजक सुभाष एवं डॉ. सचिन मर्दा, हैदराबाद/पंढरपुर होंगे। इसी क्रम में आज डॉ. सचिन मर्दा ने नगरद्वय के प्रसिद्ध भजन गायक श्री सुशील गोपालजी बजाज से भेंट कर उन्हें पंढरपुर में आयोजित होने वाली भजन संध्या में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति हैदराबाद के अध्यक्ष राजेश सोमानी एवं कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर सोमानी उपस्थित थे। गोविन्द सोमानी ने बधर माताजी के धाम ताना गांव में निर्माणाधीन भक्त निवास के निर्माण कार्य की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष गोपाष्टमी के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत इस वर्ष 17 नवंबर को भक्त निवास के लोकार्पण का कार्यक्रम रखा गया है।

डॉ. सचिन मर्दा ने सभी समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं से अपने पैतृक गांव तथा पावन भूमि पंढरपुर में आयोजित कुलदेवी बधर माता के दरबार में पधारने का अनुरोध किया।

साथ ही उन्होंने सभी से पंढरपुर पहुंचकर भगवान विट्ठल के दर्शन करने का भी आग्रह किया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क वॉटर टैंक के समीप शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं भंवरलालज गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

संतोषी माता मंदिर में श्रद्धा-भक्ति से मनाया गया जन्मोत्सव

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुस्लिम जंग पुल, बेगम बाजार स्थित संतोषी माता मंदिर में माताजी का जन्मोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह माताजी के अभिषेक से हुआ। इसके पश्चात ध्वजारोहण एवं माताजी के झूलोत्सव का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक माताजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

इस अवसर पर मंदिर प्रमुख नंदलाल यादव, मुख्य पुजारी अनिल कुमार पाण्डेय, विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, राजेश अग्रवाल, रामकृष्णा, अभिषेक यादव, आशीष यादव, उदय भास्कर, शिवाजी इंस्पेक्टर संतोष कुमार, ललिता अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, श्रीराम अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, रीतेश अग्रवाल, नर्सिंग काकांणी, एडवोकेट शैलेश सक्सेना, रमेश तिवारी, संतोष तिवारी, विकास पाण्डेय, प्रियांशु पाण्डेय सहित अन्य भक्तगण सम्मिलित हुए।

एमआईएम ने एमएलसी मिर्जा रहमत बेग को तत्काल प्रभाव से पार्टी से किया निष्कासित

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
एक अचानक हुए राजनीतिक घटनाक्रम में, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शनिवार को अपने विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मिर्जा रहमत बेग को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

विधान परिषद के अध्यक्ष को इस्तीफा सौंपने का निर्देश

पार्टी नेतृत्व ने उन्हें तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपकर तुरंत अपने विधायी पद से हटने का भी निर्देश दिया है। यह निर्णय एआईएमआईएम के संयुक्त सचिव एस.ए. हुसैन अनवर द्वारा जारी एक आधिकारिक पार्टी विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया गया।

आधिकारिक बयान में दी गई सख्त हिदायत

पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में घोषणा की, मिर्जा रहमत बेग को तत्काल प्रभाव से एआईएमआईएम से निष्कासित कर दिया गया है। उन्हें तुरंत विधान परिषद के अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपना होगा। बता दें कि मिर्जा रहमत बेग वर्ष 2023 में हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र के तहत तेलंगाना विधान परिषद के लिए चुने गए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.